दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

वर्षः- 05
अंकः- 249
मुरादाबाद
(Wednesday)
31 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

रूसी राष्ट्रपति के आवास को निशाना बनाए जाने की खबरों पर पीएम मोदी ने जताई चिंता

पीएम मोदी ने 1943 में पोर्ट ब्लेयर में तिरंगा फहराने के लिए नेताजी को किया याद

1943 में सुभाष चंद्र बोस ने आज ही के दिन पोर्ट ब्लेयर में तिरंगा फहराया था। पीएम मोदी ने आज एक्स पर पोस्ट करके उनके इस काम को साह से भरा हुआ बताया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज नेताजी सुभाष चंद्र बोस की तारीफ़ की, जिन्होंने 1943 में इसी दिन पोर्ट ब्लेयर में तिरंगा फहराया था। पीएम मोदी ने उनके इस काम को साहस से भरा हुआ बताया। प्रधानमंत्री ने एक्स पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की तारीफ करते हुए संस्कृत में एक श्लोक भी पोस्ट किया है। मोदी ने कहा कि यह पल सभी को याद दिलाता है कि आजादी सिर्फ़ इच्छा से नहीं, बल्कि काबिलियत, कड़ी मेहनत और एक संगठित संकल्प से मिलती है।आज़ाद हिंद फ़ौज या इंडियन नेशनल आर्मी के मुखिया सुभाष चंद्र बोस ने 30 दिसंबर, 1943 को पोर्ट ब्लेयर में पहली बार भारतीय राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। सुभाष चंद्र बोस के इसी साहस को आज पीएम मोदी से याद किया हैपीएम मोदी ने ङ्ग पर एक पोस्ट में कहा, आज ही के दिन, 30 दिसंबर, 1943 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने बहुत हिम्मत और बहादुरी के साथ पोर्ट ब्लेयर में तिरंगा फहराया था। वह पल हमें याद दिलाता है कि आज़ादी सिर्फ़ इच्छा से नहीं, बल्कि काबिलियत, कड़ी मेहनत, न्याय और एक संगठित संकल्प से मिलती है।

इसके साथ उन्होंने एक संस्कृत वाक्य को भी लिखा, सामर्थ्यमूलं स्वातन्त्र्यं श्रममूलं च वैभवम्। न्यायमूलं सुराज्यं स्यात् सङ्घमूलं महाबलम् ॥ इसका आर्थ है शक्ति को स्वतन्त्रता का और मेहनत को सम्पत्ति का आधार कहा गया है। इसी तरह न्याय को सुराज्य का और संगठन को महाशक्ति का मूल समझना चाहिए। रूस के विदेश मंत्री ने दावा किया कि राष्ट्रपति पुतिन के आवास को निशाना बनाकर ड्रोन हमला किया गया। रूस ने शांति वार्ता में अपनी स्थिति की समीक्षा करने की धमकी दी है। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति ने इस रूस का झूठ करार दिया। इस घटनाक्रम पर पीएम मोदी ने चिंता जाहिर की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस के राष्ट्रपति के आवास को निशाना बनाए जाने की खबरों पर चिंता जाहिर की है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दुश्मनी खत्म करने और शांति हासिल करने का सबसे अच्छा रास्ता राजनयिक प्रयास ही हैं। रूस-यूक्रेन संघर्ष पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम सभी संबंधित पक्षों से आग्रह करते हैं कि वे राजनयिक प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करें और ऐसे किसी भी काम से बचें जो इन्हें कमजोर कर सकता है।पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, रूसी महासंघ के राष्ट्रपति के आवास को निशाना बनाने की खबरों से हम बहुत चिंतित हैं। चल रही राजनियक कोशिशें दुश्मनी खत्म करने और शांति हासिल करने का सबसे अच्छा रास्ता हैं। हम सभी संबंधित पक्षों से आग्रह करते हैं कि ऐसे किसी भी ऐसे काम से बचें जो इन्हें कमजोर कर सकता है।%गौरतलब है कि रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावारोव ने दावा किया है कि यूक्रेन ने बीती रात रूस के राष्ट्रपति के आवास पर 91 लंबी दूरी के अनमैन्ड एरियल व्हीकल (यूएवी) से हमला किया। राष्ट्रपति पुतिन का यह आवास उत्तर पश्चिमी नोवोग्रोड क्षेत्र में स्थित है। लावारोव ने दावा किया कि रूस के एयर डिफेंस ने सभी 91 ड्रोन्स को इंटरसेप्ट कर तबाह कर दिया। हालांकि यूक्रेन ने इन आरोपों का खंडन किया है। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने आरोपों से इनकार कर दिया और कहा कि रूस इस तरह के आरोप लगाकर शांति वार्ता को पटरी से उतारना चाहता है। जेलेंस्की ने ये भी कहा कि रूस झूठ बोल रहा है और यह और कुछ नहीं रूस का यूक्रेन पर हमले जारी रखने का बहाना है। जेलेंस्की ने ये भी कहा कि रूस ने तो कई बार कीव में सरकारी इमारतों को निशाना बनाकर हमला किया है। राष्ट्रपति पुतिन के आवास पर हुए हमले के बाद रूस ने कहा है कि अब रूस शांति समझौते को लेकर अपनी स्थिति की समीक्षा करेगा। अभी तक ये साफ नहीं हो सका है कि हमले के वक्त क्या पुतिन उस आवास में मौजूद थे या नहीं। रूसी राष्ट्रपति के आवास पर हमले का रूस का दावा ऐसे वक्त सामने आया है, जब रविवार को ही यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने फ्लोरिडा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की। इस मुलाकात में जेलेंस्की और ट्रंप ने एक संशोधित शांति प्रस्ताव पर चर्चा की। बैठक के बाद जेलेंस्की ने कहा कि ऐसी संभावना है कि साल 2026 में रूस-यूक्रेन युद्ध थम सकता है। हालांकि उन्होंने ये भी कहा कि अमेरिकी मदद के बिना ये संभव नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

यूपी बोर्ड परीक्षा के लिए केंद्रों की अंतिम सूची जारी, 8033 सेंटर पर होंगे एग्जाम

माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश ने वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं को लेकर एक अहम सूचना जारी की है। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए परीक्षा केंद्रों को अंतिम सूची जारी कर दी है।माध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश (UP Board) ने वर्ष 2026 की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं के लिए परीक्षा केंद्रों की अंतिम सूची जारी कर दी है। परिषद की परीक्षा केंद्र निर्धारण समिति की बैठक 24 दिसंबर 2025 को हुई थी। इस बैठक में समिति की मंजूरी के बाद पूरे प्रदेश में कुल 8033 परीक्षा केंद्र अंतिम रूप से तय किए गए हैं।इन सभी परीक्षा केंद्रों की सूची यूपी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट ह्वश्चद्वह्यश्च.द्दश1द्व.द्बठ्ठ पर अपलोड कर दी गई है। इसके अलावा बोर्ड के ङ्ग (ट्विटर) अकाउंट @upboardpryj और फेसबुक अकाउंट "madhyamik shiksha parishad" पर भी यह जानकारी उपलब्ध है। फरवरी से होंगे एग्जाम- यूपी बोर्ड कक्षा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं वर्ष 2026 में 18 फरवरी से 12 मार्च तक आयोजित की जाएंगी। वहीं, प्रयोगात्मक (प्रैक्टिकल) परीक्षाओं का आयोजन 24 जनवरी से 9 फरवरी 2026 के बीच किया जाएगा। परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार हाईस्कूल की हिंदी/प्रारंभिक हिंदी की परीक्षा 18 फरवरी को पहली पाली में आयोजित होगी, जबकि इंटरमीडिएट की हिंदी/सामान्य हिंदी की परीक्षा उसी दिन दूसरी पाली में कराई

बंगाल की सियासत पर बोले अमित शाहः घुसपैठ रोकने के मुद्दे पर होगा 2026 का चुनाव; यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला

कहा कि ममता बनर्जी चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ को बढ़ावा दे रही हैं।पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा के चुनाव को लेकर राज्यभर में सियासी गर्माहट तेज हो गई है। राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां भी तेज कर दी है। दूसरी ओर आरोप-प्रत्यारोप भी अपने चरम पर पहुंच गया है। इसी बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कोलकाता में प्रेस वार्ता की। जहां उन्होंने राज्य की तृणमूल कांग्रेस पार्टी पर जमकर निशाना साधा। घुसपैठ, भ्रष्टाचार, प्रशासन समेत कई मुद्दों को लेकर शाह ने ममता सरकार को आड़े हाथ लिया।शाह ने कहा कि ममता बनर्जी चुनावी लाभ के लिए बांग्लादेशियों की घुसपैठ को बढ़ावा दे रही हैं। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा हमें जमीन न दिए जाने के कारण हम बांग्लादेश सीमा की बाड़बंदी पूरी नहीं कर पाए हैं। साल 2026 में बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि घुसपैठ रोकने के मुद्दे

पर ही होगा 2026 का पश्चिम बंगाल चुनाव। शाह ने आगे कहा कि बंगाल के लिए आज से अप्रैल तक का समय बेहद अहम है, क्योंकि इस दौरान राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 साल में टीएमसी सरकार के शासन में राज्य में भय, भ्रष्टाचार और गलत प्रशासन फैला है, जिसके कारण बंगाल में आम नागरिकों में चिंता का माहौल बन गया है। शाह ने कहा कि भ्रष्टाचार के कारण बंगाल का विकास रुक गया है। प्रधानमंत्री मोदी की जनकल्याण योजनाएं यहां टोल सिंडिकेट की भेंट चढ़ गई हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सियासी माहौल गरमा गया है। कोलकाता में प्रेस वार्ता के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घुसपैठ, भ्रष्टाचार समेत कई अन्य मुद्दों पर ममता सरकार का घेराव किया। उन्होंने पिछले 14 वर्षों से बंगाल की पहचान डर और भ्रष्टाचार बन गई है।अमित शाह ने आगे पश्चिम बंगाल सरकार पर बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए राज्य सरकार जमीन नहीं दे रही, जिसकी वजह से घुसपैठ की समस्या बनी हुई है।अमित शाह ने सवाल किया कि त्रिपुरा, असम, राजस्थान, पंजाब, कश्मीर और गुजरात की सीमाओं पर घुसपैठ क्यों रुक गई, लेकिन पश्चिम बंगाल में क्यों नहीं। उन्होंने कहा कि बंगाल में राज्य सरकार की जानकारी में घुसपैठ हो रही है और इसका मकसद जनसंख्या में बदलाव कर वोट बैंक मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव घुसपैठ रोकने और घुसपैठियों को बाहर निकालने इन्हीं मुद्दों पर लड़े जाएंगे। अमित शाह ने साफ कहा कि बंगाल सीमा से हो रही घुसपैठ देश की राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है और इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता।इसके साथ ही एक सवाल के जवाब में शाह ने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए उन्होंने खुद ममता बनर्जी को सात पत्र लिखे हैं, लेकिन राज्य सरकार अब तक जमीन नहीं दे रही है। अमित शाह ने बताया कि पिछले छह साल में गृह सचिव तीन बार बंगाल गए और राज्य के मुख्य सचिव के साथ बैठकें भी हुईं, इसके बावजूद कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। उन्होंने सवाल किया कि टीएमसी सरकार को जमीन देने में किस बात का डर है और क्या राज्य सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं बनती।

अखिलेश बोलेः विरोध के बाद हुआ लेखपाल भर्ती में बदलाव, सामान्य वर्ग के घटे 905 पद;ओबीसी के बढ़े इतने

हैं कि पकड़ गए तो दे देंगे। इससे साफ होता है कि ओबीसी हो, दलित, अल्पसंख्यक या महिला, ये सब भाजपा की निगाह में दोयम दर्जे के लोग हैं।लूट का मिशन बना जल जीवन मिशन = अखिलेश सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि जल जीवन मिशन भाजपा सरकार के लूट का मिशन बन गया है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और लूट चरम पर है। जब से भाजपा सरकार आई है, तब से हर विभाग और हर काम में लूट चल रही है। भ्रष्टाचार में भाजपा सरकार नंबर एक पर है। निर्माण कार्यों, सड़कों के निर्माण, जल जीवन मिशन समेत सभी कार्यों में भारी भ्रष्टाचार हो रहा है।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि कई जिलों में पानी की टंकियां भ्रष्टाचार का भार नहीं सहन कर पाने के कारण धराशायी हो गईं। इस सरकार में तमाम तरह का अवैध कारोबार हो रहा है। इन कार्यों को सत्ता का संरक्षण मिला हुआ है। अखिलेश यादव ने कहा है कि पूरे प्रदेश में अवैध और नशे के कारोबार का जाल फैला

लेखपाल भर्ती परीक्षा का संशोधित विज्ञापन जारी होने के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। लेखपाल भर्ती के लिए संशोधित सूची जारी होने पर राजनीतिक दलों में इसका श्रेय लेने की होड़ मची है। इसी कड़ी में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया है कि सपा के विरोध के बाद आयोग ने लेखपाल भर्ती का संशोधित विज्ञापन जारी किया है। इसमें ओबीसी के 717 पद बढ़ाए गए, जबकि सामान्य वर्ग के 905 पद घटे।सपा अध्यक्ष ने एक्स के माध्यम से कहा कि भाजपा के नेता वे घोटालेबाज हैं, जो संविधान द्वारा दिया गया आरक्षण भी सरेआम मार देते हैं। जानबूझकर आरक्षण की हकमारी करते हैं और सोचते हुआ है। भाजपा ने पूरे प्रदेश में हर क्षेत्र में माफिया पैदा कर दिया है। भूमाफिया, ड्रग माफिया, खनन माफिया प्रदेश में लूट मचाए हुए हैं। कन्नौज के छिबरामऊ में चार दिन में ही 20 लाख रुपये में बनाई गई सड़क उखड़ गई। त्रिपुरा के छात्र की हत्या घृणित मानसिकता का नतीजा- सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि देहरादून में त्रिपुरा के एक छात्र की हत्या बेहद घृणित मानसिकता का दुष्परिणाम है। विघटनकारी सोच रोज किसी की जान ले रही है और सरकारी अभयदान प्राप्त ये लोग विष बेल की तरह फलफूल रहे हैं। अखिलेश ने कहा है कि सर्वोच्च न्यायालय स्वतः संज्ञान लेकर न्याय सुनिश्चित करे।

नागपुर में शरद पवार के दल का कांग्रेस से गठबंधन नहीं, NCP बोली- वे गठबंधन नहीं चाहते

नागपुर नगर निगम चुनाव में महा विकास अघाड़ी को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) ने अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया है। एनसीपी ने कांग्रेस पर गठबंधन धर्म न निभाने और भाजपा को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया है। महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक दल, कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने नागपुर नगर निगम चुनाव अलग-अलग लड़ने का निर्णय लिया है। शरद पवार के नेतृत्व वाले दल ने कांग्रेस पर गठबंधन धर्म का पालन न करने और उन्हें 15 सीटें भी न देने का आरोप लगाया है।क्या बोले एनसीपी नेता?

नागपुर एनसीपी (एसपी) के अध्यक्ष दुनेश्वर पेठे ने मंगलवार को दावा किया कि सोमवार रात तक कांग्रेस नेताओं के साथ बातचीत चल रही थी। उन्होंने कहा, %बाद में कांग्रेस नेताओं ने हमारे फोन का उत्तर देना बंद कर दिया, जिससे पता चलता है कि वे गठबंधन नहीं करना चाहते हैं।कांग्रेस पर लगाए आरोप

मामले को लेकर पेठे ने जानकारी दी कि उनकी पार्टी ने शुरू में 25 सीटों की मांग की थी, लेकिन अंत में वे 15 सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए सहमत हो गए थे। इसके बावजूद, कांग्रेस ने उनकी इस मांग को अनदेखा कर दिया। एनसीपी (एसपी) नेता ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा, %ऐसा प्रतीत होता है कि कांग्रेस भाजपा की सहायता करना चाहती है, इसलिए उन्होंने हमारे साथ गठबंधन न करने का फैसला किया है।

क्या रहा है यहां का समीकरण?- बता दें कि साल 2017 में 151 सदस्यीय नागपुर नगर निकाय के पिछले चुनाव में भाजपा ने 108, कांग्रेस ने 28, बहुजन समाज पार्टी ने दस, शिवसेना (अविभाजित) ने दो और एनसीपी (अविभाजित) ने एक सीट जीती थी। महाराष्ट्र में 29 नगर निगमों के लिए मतदान 15 जनवरी को होगा और मतों की गिनती अगले दिन 16 तारिख को होगी। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि मंगलवार है, जबकि नाम वापस लेने की अंतिम तिथि दो जनवरी है। प्रत्याशियों की अंतिम सूची तीन जनवरी को प्रकाशित की जाएगी।

फ्लाइट लेट तो खाना और रिफंड पक्काः उड़ान रद्द होने पर सरकार की नई एडवाइजरी; विमानन कंपनियों को सख्त निर्देश

उत्तर भारत में घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस बीच, कोहरे की वजह से मंगलवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर 118 उड़ानें रद्द हुईं और 16 उड़ानों को डायवर्ट करना पड़ा, जबकि 130 से अधिक उड़ानों के संचालन में देरी हुई।पूरे उत्तर भारत में घने कोहरे और कम दृश्यता के कारण हवाई यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस स्थिति को देखते हुए नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने मंगलवार को सभी विमानन कंपनियों को निर्देश दिया कि वे यात्रियों की सुविधाओं से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन करें। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि खराब मौसम के कारण उत्पन्न हुई इस परिस्थिति में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।118 उड़ानें हुईं रद्द-मंगलवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कोहरे का व्यापक असर देखने को मिला। कम दृश्यता के कारण कुल 118 उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि 16 विमानों का मार्ग बदलना पड़ा।

संपादकीय Editorial

Whose breaths are these deals worth? The warriors of the battle were not decided by a doctors' strike or the dismissal of a doctor, but the entire public of the state was hurt every time. It would be inaccurate to attribute the symptoms of this disease solely to IGMC. The symptoms of this disease are found in the public who capitalize on government treatment methods or government benefits. We become sick in search of a competent doctor, or the doctors themselves are troubled by the number of patients. The cause of the trouble is that the hooliganism of hospitals is based on the slogan of coercion. Nearly three thousand government doctors are absent from hospitals because of strict action taken against their fellow doctor. This incident is not so mild that the government would not be strict, nor is it so natural that one side would be considered weak. The medical profession must have shown its strength when a patient was considered an enemy. When a patient is reduced to the length of a hospital mat or bed, the medical profession declares its power above even God. The system, even in medical colleges, loses to this power every day. But a doctor is a cabin—not a cage. There's a difference between his ability and efficiency. This difference becomes the contradiction of medical services. Written messages of duty are not practical because the world is sick. We left the dispensary so that the civil hospital could prove better. We left the civil hospital so that we could find competence in a zonal or regional hospital, and now all of Himachal is counting on a medical college. Perhaps that's why the patient lying on the bed at IGMC brought his desire to live to the medical college's doorstep. There's no doubt that the patient's behavior isn't anger, but not every patient is unconscious. When the matter becomes a doctor-patient conflict, only trust is lost in this victory or defeat. Doctors will monitor patients to ensure that a patient or their attendant turns out to be a deranged patient, and the patient will fear that the doctor might be handicapped. It's also an irony that doctors used to personally assess the patient's psychology and medical science, but now all illness applications require so much effort that the medical system turns them into a labor of torture. In the IGMC incident, neither the patient was a beggar nor the doctor was decent. Anyone who can throw punches on the hospital premises should be in the ring, and a patient with a harsh tongue needs to be reformed. Has the time come when doctors should be provided with marshals or police officers should accompany patients? In this situation, are the government's lenient personnel policies to blame, or has professionalism not yet arrived in the state? If tomorrow drivers start publicly beating traffic police officers, or if the campaign against administrative orders becomes violent, how will the government take decisions? Conversely, if every department and departmental position becomes aggressive towards the general public, what will the government do then? This is an unwarranted right of leeway, which governments have used to pamper the system by placing employees and officials on a pedestal. The public's compulsions lie at the heart of every risk that arises in this state. Doctors have exposed the power of the state or the favored system. If three thousand doctors can ruin all government hospitals, what will happen to schools, colleges, and law and order under such circumstances? How painfully wounded were your feelings? This was not just rebellion, but boasting. The closure of a medical college's operating theater for a day, how many lives are at stake. The queues of patients would have included children, women, the elderly, the disabled, and the helpless, but under the doctors' rule, the hospital was looted. Who was punished? The doctors.

Digvijay Singh highlights organizational strength, sends a message to the party leadership

Digvijay Singh shared an old photo of LK Advani and Narendra Modi, praising the RSS's organizational strength. He expressed concern over the Congress's organizational weakness and urged the party leadership to focus on reforms. The article described the Gandhi family as surrounded by sycophants, weakening the Congress. It also stated that the real power still rests with the Gandhi family, which blames others for its failures. Senior Congress leader Digvijay Singh's posting of an old photo of LK Advani and Narendra Modi, along with the caption, "An RSS volunteer and a BJP grassroots worker became Chief Minister and then Prime Minister from the ground, is bound to generate discussion. This is even more so because he shared his thoughts with this photo while the Congress Working Committee was meeting. He described the photo as impressive and also called it a symbol of organizational strength. It's noteworthy not only that he found this photo appropriate to highlight the strength of the organization, but also that he tagged Mallikarjun Kharge, Rahul Gandhi, Priyanka Gandhi, and Prime Minister Modi in his post. Although the post sparked heated debate, he clarified that he had only praised the organization and was a staunch opponent of the RSS and Modi. His words certainly indicated that he was concerned with the Congress's organizational weaknesses and wanted the party leadership to focus on it. This can be further illustrated by his post a few days ago, in which he addressed Rahul Gandhi, writing that the Congress needed reforms and decentralization. In this post, he expressed his hope that Rahul would do so, but also stated that it was difficult to convince him. This isn't the first time a Congress leader has highlighted the party's weaknesses, yet no fundamental change seems to be taking place. This is because the Gandhi family is surrounded by sycophantic leaders. In the Congress party, only those who sing the praises of the family are respected. The Gandhi family was once the strength of the Congress party, but now the situation has changed. Indira Gandhi's tenure was a blessing, but after her death, when Rajiv Gandhi became Prime Minister, the importance of sycophantic leaders increased, and the Congress gradually weakened. Due to the sympathy generated by Indira Gandhi's assassination, the Congress won a landslide victory in 1984, but since then, it has never achieved a majority. Today, Sonia and Rahul's Congress is dependent on regional parties that broke away from it. Kharge may be at the helm of the Congress party, but the real power lies with the Gandhi family, and instead of strengthening the organization, it is busy blaming the Modi government and the Election Commission for its failures.

Congress's new campaign, a ridiculous attempt to save MNREGA

Congress leader Rahul Gandhi's Save MNREGA campaign has been described as a futile political effort. According to the article, the changes to MNREGA and the new "VB Jiramji" scheme focus on eliminating corruption and developing rural infrastructure, while also increasing the number of working days. These amendments were necessary given the changes in the rural economy over the past two decades. Rahul's arguments are ridiculous, as there is no strong basis for solid opposition. Rahul Gandhi's Save MNREGA campaign is politically meaningless. The new "VB Jiramji" scheme addresses MNREGA's weaknesses and increases transparency in rural development and employment guarantees. The manner in which Congress leader Rahul Gandhi spoke about launching the Save MNREGA campaign clearly indicates that he is once again raising an issue that offers little political or electoral benefit to him and the Congress party. This is not the first time Rahul Gandhi has raised an issue that appears to lack the potential to attract public attention. It's true that not only has the name of MNREGA been changed, but many of its provisions have also been altered, and that too in such a way that this legal scheme has become a new scheme. However, it is not correct to conclude that by abolishing this law for rural development and employment guarantee, the rights of the poor are being violated. Rahul Gandhi is trying to create this impression through the Save MNREGA campaign. To this end, he is arguing that the Prime Minister neither conducted any study nor held any consultation with the Cabinet before replacing MNREGA with VB Jiramji. Such arguments are ridiculous. Such arguments are made when it is difficult to oppose any government decision, program, or law with solid arguments. When MNREGA was introduced 20 years ago, the country's circumstances were different. In the past two decades, the lives of the people and the rural economy have undergone significant changes. Given these changes, tampering with a scheme like MNREGA became not only necessary but inevitable. This is all the more so because over time, many weaknesses had crept into MNREGA. These weaknesses were often discussed. It was often asked, "How long will the digging and filling of pits continue under MNREGA?" Similarly, it cannot be ignored that there were constant complaints of corruption in MNREGA. Has anyone ever assessed the fundamental change MNREGA has brought to rural life? If the number of working days under VB Jiramji is being increased from 100 to 125 and measures are being taken to ensure more transparent implementation of the scheme, why should anyone complain? Similarly, what harm is there in the fact that this scheme will now also build solid infrastructure in rural areas and increase central monitoring? One point of criticism of the new scheme is that the state contribution has been increased. However, by doing so, the states are being made accountable while also instilling a sense of responsibility in them.

Adopting AI has become essential; focus must shift from capabilities to discretion.

In 2025, AI moved beyond demos to actual implementation and autonomy, with agentic AI becoming a key concept. It impacted coding and energy infrastructure. Despite dark aspects like deepfakes, Google emerged as a leader. 2026 will usher in the era of the Reasoning Web and Physical AI, where human discretion and creativity will become more important. This will also be a defining moment for India. If 2024 was the year when Artificial Intelligence (AI) learned to speak, 2025 will be the year when AI grew in strength, its scope, and impact expanded. This will be the year when AI decisively moved beyond demos and pilot projects to actual implementation, autonomy, and widespread use. The discussion shifted from the use of AI tools to the creation of AI agents. Agentic AI became the dominant concept, replacing generative AI. Agentic AI refers to systems that not only advise humans but also execute multi-step workflows within enterprise software. From agentic browsers to autonomous commerce and workflow automation, AI began to behave more like a junior partner than an assistant. The year 2025 was also a year of introspection. Companies began to demand concrete and measurable returns on investment, abandoning cosmetic experiments. AI adoption became a necessity rather than an exception. Coding became the first use case where AI's widespread impact was evident. AI tools like Cloud, Cursor, and Copilot began to generate more than 40 percent of new code at the enterprise level. With this, the role of the software engineer also began to change. They are no longer just code writers, but supervisors of machine labor and system architects. In the words of Jensen Huang, CEO of semiconductor chip maker Nvidia, "We have become human resource managers for software agents." Behind the scenes, the physical foundations of AI were also being laid this past year. Under the "Atoms for Algorithms" movement, major tech companies turned to nuclear energy to power gigawatt-scale data centers. AI not only transformed software but also began reshaping global energy infrastructure. Meanwhile, China quietly advanced to 2025. Instead of announcing AGI (Artificial General Intelligence) deadlines, its focus remained on applications, open-source leadership, and energy abundance. AGI, also known as human-level AI, is an artificial intelligence that can equal or even surpass human capabilities in almost all cognitive tasks. Open-source ownership once again proved a long-term strategic advantage. The past year also exposed the darker aspects of AI, which we cannot ignore. Deepfakes threatened democratic processes worldwide, AI companions raised uncomfortable questions about loneliness and human relationships, and the industry hit a data limit, fueling a shift toward synthetic data. Yet, by the end of this year, Google emerged as an unexpected AI leader, leveraging its full-stack strengths in chips, models, data, and distribution. If 2025 was the year of capabilities, 2026 will be the year of reason. We are entering what has been called the era of the reasoning web, where search engines will become direct answer engines rather than serving links, and AI browsers will aggregate and present knowledge. However, this will require a reshaping of the web's economic structure, otherwise it will harm the very creators on whom AI depends. At the same time, agents will move beyond copilots to collaborators, running entire workflows with minimal human supervision. 2026 will also be the year when AI gains a body. Physical AI, meaning robots and autonomous systems, will move out of laboratories and into warehouses, factories, and city streets. The expansion of self-driving cars across cities and continents signals that embedded intelligence is no longer a fantasy, but a real operation. Self-driving cars can operate without human intervention. Next year, AI valuations will certainly improve, but not decline, as the technology is solid, the infrastructure is deep, and cash flow is robust. Instead, what will become most valuable is the human element. As AI-generated content floods the internet, verified human creativity, discretion, and engagement will become a luxury. Overall, 2026 will mark a defining moment in the field of AI, both globally and for India. Sovereign AI infrastructure, an explosion of content in regional languages, and access to GPUs (graphics processing units) are now becoming a reality. If 2025 showed us what AI can do, 2026 will force us to decide how we live, work, and govern with it. The era of raw intelligence is behind us. Now, the era of reason is dawning.

पंजीकृत निर्माण श्रमिक आज ही अपने श्रमिक पंजीयन कार्ड का कराएं नवीनीकरण

उप श्रमायुक्त श्री दीप्तिमान भट्ट ने बताया कि उ.प्र. भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड लखनऊ के अन्तर्गत श्रम विभाग मुरादाबाद में निर्माण कार्य में संलग्न जिन निर्माण श्रमिकों द्वारा अपना पंजीकरण कराया गया है उन पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के हितार्थ विभिन्न योजनायें संचालित हैं। इन योजनाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को सर्वप्रथम अपना पंजीयन कार्ड का नवीनीकरण अपने नजदीकी जनसेवा केन्द्र (सीएससी) के माध्यम से कराना होगा। इसके अतिरिक्त श्रम विभाग द्वारा समय-समय पर तहसील दिवस, लेबर अड्डो एवं अन्य स्थानों पर कैम्प लगाकर पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को उनके श्रमिक पंजीयन कार्ड का नवीनीकरण करायें जाने हेतु जागरूक किया जाता है। श्रमिक कार्ड का नवीनीकरण न होने के कारण श्रमिक बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहें हैं।उप श्रमायुक्त ने जनपद के समस्त पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की है कि वह बोर्ड द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के हितार्थ संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का हितलाभ प्राप्त करने हेतु अपने श्रमिक पंजीयन कार्ड का नवीनीकरण दिनांक 31 दिसम्बर 2025 तक करा लें। ऐसे पंजीकृत निर्माण श्रमिक जिन्होंने अपने श्रमिक पंजीयन कार्ड का नवीनीकरण विगत 04 वर्षो से नही कराया गया है वह दिनांक 31 दिसम्बर 2025 तक अनिवार्य रूप से अवश्य करा लें, अन्यथा उनका श्रमिक पंजीयन कार्ड बोर्ड के पोर्टल पर निष्क्रिय कर दिया जायेगा।

1.99 करोड़ की बर्न यूनिट अब भी प्लास्टिक सर्जन के इंतजार में

मुरादाबाद। वर्ष 2025 भी समाप्ति की ओर है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जिला पुरुष अस्पताल में 1.99 करोड़ रुपये की लागत से बनी बर्न यूनिट एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग को अब तक नहीं मिल सका है। साल दर साल उम्मीदें बंधती रहीं और टूटती रहीं, मगर जमीनी हकीकत यह है कि इस महत्वपूर्ण यूनिट में मरीजों का इलाज आज भी विशेषज्ञ के बिना ही किया जा रहा है। वर्ष 2021 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लोकार्पित यह भवन अब एक और बीतते साल का गवाह बनने जा रहा है।15 फरवरी 2021 को जब इस बर्न यूनिट का लोकार्पण हुआ था, तब दावा किया गया था कि जिले और आसपास के क्षेत्रों के जले हुए, एसिड अटैक पीड़ित और गंभीर घावों से जूझ रहे मरीजों को अब बाहर नहीं जाना पड़ेगा। यूनिट में 10 बेड की व्यवस्था की गई, ताकि गंभीर मरीजों को भर्ती कर बेहतर इलाज दिया जा सके। लेकिन वर्ष 2021 से लेकर अब तक चार कैलेंडर साल गुजर चुके हैं और 2025 भी समाप्ति की ओर है, फिर भी प्लास्टिक सर्जन की तैनाती नहीं हो सकी।चिकित्साधिकारियों के अनुसार फिलहाल बर्न यूनिट में आने वाले मरीजों का उपचार जनरल सर्जन द्वारा किया जा रहा है। सीमित स्तर तक इलाज संभव है, लेकिन गंभीर जलन, स्किन ग्राफ्टिंग और पुनर्निर्माण सर्जरी जैसे मामलों में प्लास्टिक सर्जन की भूमिका जरूरी होती है। विशेषज्ञ न होने के कारण ऐसे मरीजों को मेरठ के मेडिकल कॉलेज में रेफर कर दिया जाता है। हर साल सर्दियों में अलाव और हीटर से झुलसने के मामले, गर्मियों में शॉर्ट सर्किट और रसोई गैस से जलने की घटनाएं सामने आती हैं। इसके अलावा औद्योगिक हादसे और घरेलू दुर्घटनाएं भी जिले में आम हैं। बावजूद इसके, 10 बेड की बर्न यूनिट पूरी क्षमता के साथ संचालित नहीं हो पा रही है। मरीजों और उनके परिजनों के लिए यह स्थिति पीड़ादायक है, क्योंकि जिला अस्पताल में सुविधा होने के बावजूद उन्हें बाहर इलाज कराना पड़ता है। सीएमएस डॉ. राजेंद्र कुमार ने बताया कि प्लास्टिक सर्जन की तैनाती के लिए लगातार शासन स्तर पर मांग भेजी जा रही है। उन्होंने कहा कि फिलहाल जनरल सर्जन मरीजों का इलाज कर रहे हैं और जैसे ही प्लास्टिक सर्जन की नियुक्ति होगी, बर्न यूनिट को पूरी तरह सक्रिय कर दिया जाएगा। हर गुजरता साल यह साबित कर रहा है कि सरकारी योजनाएं भवन तक सीमित रह जाती हैं, जबकि मानव संसाधन की व्यवस्था समय पर नहीं हो पाती। जरूरत इस बात की है कि आने वाला वर्ष इस यूनिट के लिए केवल तारीख न बने, बल्कि मरीजों को वास्तविक राहत दिलाने वाला साल साबित हो।

एसडीओ के चालक का सिर चकनाचूर...टूटी 22 हड्डियां, गाड़ी पर पलटा था भूसे से भरा ट्रक; पोस्टमार्टम में खुलासा

रामपुर में हुए सड़क हादसे में ट्रक के नीचे दबने से बोलेरो चालक का सिर कुचल गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि सिर की 22 हड्डियां टूट गई थी। पहाड़ी गेट पर भूसे से भरा ट्रक पलटने से भीषण हादसा हुआ था।रामपुर में पहाड़ी गेट पर भूसे से भरे ट्रक के बोलेरो पर गिर जाने से बोलेरो चालक बुरी तरह कुचल गया था। उसे गंभीर चोटें आईं और उसी दौरान उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर में गंभीर चोट को मौत का कारण बताया गया है, साथ ही शरीर की 22 हड्डियां टूटने की पुष्टि भी हुई है। रविवार शाम यह हादसा उस समय हुआ, जब भूसे से भरा ट्रक पहाड़ी गेट बिजलीघर के सामने बने कट से मोड़ रहा था। उसी दौरान बराबर से आ रही बोलेरो कार भी मुड़ने लगी। इसी दौरान ट्रक का पहिया डिवाइडर पर चढ़ गया और संतुलन बिगड़ने से ट्रक बोलेरो पर जा गिरा।हादसे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें ट्रक को बोलेरो पर गिरते हुए साफ देखा जा सकता है। हादसे में बोलेरो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने चालक फिरासत के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया। रिपोर्ट में 22 हड्डियां टूटने के साथ सिर पूरी तरह कुचलने की बात सामने आई है।गंज थाना प्रभारी पवन कुमार शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिल गई है। रिपोर्ट के अनुसार फिरासत की मौत सिर में गंभीर चोट लगने से हुई है। इसके अलावा शरीर के कई हिस्सों में भी चोटें पाई गई हैं।गमगीन माहौल में सुपुर्द-ए-खाक करने के बाद उनके शव को परिजनों के सुपुर्द किया बोलेरो चालक फिरासत के शव का पोस्टमार्टम कोहराम मच गया। परिवार के लोगों का रोकर कर दिया गया। उनका शव जब घर पहुंचा तो परिवार में दिया।एसडीओ की गाड़ी में टक्कर मारने वाले ट्रक चालक पर प्राथमिकी- नैनीताल रोड पर रविवार की शाम एसडीओ की गाड़ी में टक्कर मारने वाले ट्रक चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई बुरा हाल है। परिजनों ने शव को सुपुर्द-ए-खाक कर है। हादसे में जान गंवाने वाले बोलेरो चालक के बेटे की ओर से तहरीर के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। रविवार शाम भूसे से भरा ट्रक नैनीताल रोड स्थित पहाड़ी गेट बिजलीघर के पास मोड़ते समय हादसे का शिकार हो गया था।मोड़ते समय ट्रक का पहिया डिवाइडर पर चढ़ गया और वह अनियंत्रित होकर पास से गुजर रही बोलेरो पर जा गिरा। बोलेरो चालक फिरासत की मौके पर मौत हो गई थी। यह बोलेरो बिजली विभाग के एसडीओ की थी। मृतक चालक फिरासत के बेटे शाहरुख की ओर से गंज थाने में भूसे से भरे ट्रक के चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। गंज थाना प्रभारी पवन शर्मा ने बताया कि मामले की जांच जारी है और जल्द ही चालक को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।यह था मामला - नैनीताल रोड पर रविवार शाम भूसे से भरा ट्रक मुड़ते समय अचानक डिवाइडर पर चढ़ गया और पास से गुजर रही बोलेरो पर पलट गया। बोलेरो कार बिजली विभाग के एसडीओ की बताई जा रही है। हादसे में बोलेरो के चालक फिरासत (54) की मौत हो गई, जबकि एक बाइक सवार समेत दो लोग बाल-बाल बच गए। हादसे के बाद राहत कार्य शुरू कर दिया गया और क्रेन की मदद से ट्रक और बोलेरो को सड़क से हटाया गया।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसा नैनीताल रोड पर पहाड़ी गेट के पास बिजलीघर के सामने हुआ। रविवार शाम करीब 5:30 बजे बिलासपुर की ओर जा रहा भूसे से भरा ट्रक दूसरी साइड में मुड़ने का प्रयास कर रहा था, तभी उसका पहिया डिवाइडर पर चढ़ गया और चालक का नियंत्रण टूट गया। ट्रक सीधे पास से गुजर रही बोलेरो पर पलट गया।कार के साथ चल रहा एक बाइक सवार और एक अन्य राहगीर बाल-बाल बच गए। हादसे के बाद दोनों ओर लंबा जाम लग गया। सूचना पर शहर के तीनों थानों की पुलिस, एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से बोलेरो को ट्रक के नीचे से निकाला गया। बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो चुकी थी। पुलिस ने लोगों की मदद से चालक को बाहर निकाला और जिला अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।मृतक की पहचान गंज थाना क्षेत्र के गूजर टोला निवासी फिरासत के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वह बिजली विभाग के खौद बिजलीघर में तैनात एसडीओ की बोलेरो के चालक थे। हादसे की जानकारी के बाद एसपी विद्या सागर भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।भूसे से भरा ट्रक अचानक बोलेरो पर पलट गया, जिससे बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में चालक की मौत हो गई। पुलिस ने राहत कार्य शुरू करते हुए ट्रक व बोलेरो को हटवाया है। यातायात सामान्य कर दिया गया है। -विद्या सागर मिश्र, एसपी

ट्रेन से चारधाम के सफर के लिए करना होगा 2028 तक इंतजार, दो साल बढ़ी समय सीमा, रेलवे जीएम ने किया निरीक्षण

उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक वर्मा ने मुरादाबाद मंडल के दौरा किया। उन्होंने बताया कि चारधाम रेल परियोजना के तहत ट्रेन से गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ तक पहुंचने के लिए अब वर्ष 2028 तक इंतजार करना होगा। ट्रेन से चार धाम का सफर तय करने के लिए वर्ष 2028 तक का इंतजार करना होगा। दिसंबर 2026 तक की डेडलाइन को आरवीएनएल ने दिसंबर 2028 तक के लिए आगे बढ़ा दिया है। पहाड़ों के बीच सुरंग बनाकर रेललाइन बिछाने के कार्य में कई बाधाएं आ रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं के कारण कार्य प्रभावित हो रहा है।दिसंबर 2028 तक उम्मीद है कि लोग ट्रेन में बैठकर गंगोत्री, यमुनोत्री, बद्रीनाथ और केदारनाथ तक पहुंच पाएंगे। वर्तमान में ट्रेन सिर्फ योगनगरी ऋषिकेश रेलवे स्टेशन तक जाती है।कुल 126 किलोमीटर लंबी इस रेल लाइन का बड़ा हिस्सा सुरंगों से होकर गुजरेगा। बड़ी परेशानी सुरंगों में रेल लाइन बिछाने में आ रही है। तीन प्रमुख सुरंगों में अभी करीब 10 किलोमीटर खोदाई शेष है। इनमें मुख्य और निकास सुरंगें शामिल हैं, यानी कुल छह ब्रेक-थ्रू होने बाकी हैं। सबसे लंबी सुरंग 14.08 किमी (देवप्रयाग-जनासू के बीच) है। सबसे छोटी सुरंग 200 मीटर (सैवड़-कर्णप्रयाग के बीच) है। 11 सुरंगों की लंबाई छह किमी से अधिक है। जीएम ने बताया कि उत्तराखंड में डलवाला से नीरागड, कोडियाला से तीन धारा के पास शिवमूर्ति तक और नरकोटा से घोलतीर तक की सुरंगें इस परियोजना का अहम हिस्सा हैं। बाकी कई सुरंगों में आरपार (ब्रेक-थ्रू) हो चुका है, जिससे निर्माण की रफ्तार बढ़ी है। परियोजना के तहत कुल 13 रेलवे स्टेशन बनाए जा रहे हैं। इनमें मुरादाबाद मंडल की बात करें तो वीरभद्र और योगनगरी ऋषिकेश स्टेशन बनकर तैयार हो चुके हैं और यहां से ट्रेनों का संचालन भी शुरू हो गया है। परियोजना में शामिल हैं यह स्टेशन- वीरभद्र, योगनगरी ऋषिकेश, शिवपुरी, व्यासी, देवप्रयाग, जनासू, मलेथा, श्रीनगर (चौरास), धारी देवी, रुद्रप्रयाग (सुमेरपुर), घोलतीर, गौचर, कर्णप्रयाग (सैवड़) प्रोजेक्ट का सबसे बड़ा स्टेशन बनेगा कर्णप्रयाग इस रेललाइन प्रोजेक्ट के पैकेज दो के तहत देवप्रयाग, जनासू, मलेथा और श्रीनगर स्टेशनों के टेंडर हो चुके हैं, अब वित्तीय प्रक्रिया बाकी है। इनकी लागत 163- 45 करोड़ रुपये है। पैकेज तीन में धारी देवी, तिलनी, घोलतीर और गौचर स्टेशनों का निर्माण होगा। इनकी लागत 126.16 करोड़ रुपये है। सबसे बड़ा स्टेशन कर्णप्रयाग बनाया जाएगा। इसके लिए भी टेंडर प्रक्रिया चल रही है। यहां 26 रेल लाइनें बिछेंगी।मुरादाबाद से हो सकेगी चीन सीमा के नजदीक तक निगरानी ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल प्रोजेक्ट धार्मिक यात्रा सुलभ होने के साथ सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। सेना का साजो सामान सुरक्षित रूप से भारत-चीन सीमा तक पहुंच सकेगा। पहाड़ों में बनाई गई सुरंगों के भीतर रेल लाइन की निगरानी व सुरक्षा के लिए मुरादाबाद में नया कंट्रोल रूम बनकर तैयार हो गया है। डीआरएम कार्यालय परिसर के बराबर में बना यह कंट्रोल रूम रेल लाइनों से मिलने वाले हर सिग्नल की जानकारी अधिकारियों को देगा। आपदा, दुर्घटना या अन्य परिस्थिति में अलर्ट भी जारी करेगा। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल प्रोजेक्ट के काम की समय सीमा बढ़ाई गई है। अभी इसे पूरा होने में दो साल और लग जाएंगे। पहाड़ों के बीच रेल लाइन बिछाने में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। - अशोक वर्मा, जीएम, उत्तर रेलवे

संक्षिप्त समाचार

ठंड में नवजातों पर मंडरा रहा हाइपोथर्मिया का खतरा, हर तीसरा बच्चा प्रभावित

मुरादाबाद । भीषण ठंड के साथ ही नवजातों में हाइपोथर्मिया का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। महिला अस्पताल में जन्म लेने वाले शिशुओं में यह समस्या गंभीर रूप लेती दिख रही है। चिकित्सकों के अनुसार यहां जन्म लेने वाला लगभग हर तीसरा बच्चा हाइपोथर्मिया की चपेट में आ रहा है। ठंड के मौसम में नवजातों के शरीर का तापमान संतुलित रखना सबसे बड़ी चुनौती बन गया है। चिकित्सकों के अनुसार नवजात का सामान्य तापमान 36.5 से 37.5 डिग्री सेल्सियस के बीच होना चाहिए, लेकिन जन्म के तुरंत बाद वातावरण के संपर्क में आने से कई बच्चों का तापमान तेजी से गिर जाता है। तापमान 36 डिग्री से नीचे पहुंचते ही शिशु हाइपोथर्मिया की श्रेणी में आ जाता है, जो उसके लिए घातक भी साबित हो सकता है। इसका सीधा असर बच्चे की सांस, दिल की धड़कन और संक्रमण से लड़ने की क्षमता पर पड़ता है। इस खतरे को देखते हुए महिला अस्पताल में डिलीवरी प्वाइंट पर रेडिएंट वॉर्मर की व्यवस्था की गई है ताकि जन्म लेते ही शिशु को गर्म वातावरण मिल सके। चिकित्साधिकारियों का कहना है कि डिलीवरी से पहले ही रेडिएंट वॉर्मर को चालू कर दिया जाता है, जिससे बच्चे को जन्म के बाद तुरंत सुरक्षित तापमान मिल सके। साथ ही नवजात को सूखे और गर्म कपड़े में लपेटने, मां के संपर्क में रखने और अनावश्यक देरी से बचने जैसे उपाय भी अपनाए जा रहे हैं। हाइपोथर्मिया नवजातों के लिए गंभीर समस्या- सीएमएस डॉ. निर्मला पाठक ने बताया कि हाइपोथर्मिया नवजातों के लिए एक गंभीर समस्या है, खासकर सर्दियों में। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी डिलीवरी प्वाइंट पर रेडिएंट वॉर्मर लगाए गए हैं। डिलीवरी से पहले वॉर्मर को चालू कर दिया जाता है, ताकि बच्चे को जन्म लेते ही आवश्यक गर्माहट मिल सके। साथ ही नर्सिंग स्टाफ और डॉक्टरों को भी विशेष निर्देश दिए गए हैं कि नवजात के तापमान पर लगातार निगरानी रखी जाए। बताया कि समय से पहले जन्म लेने वाले और कम वजन वाले बच्चों में हाइपोथर्मिया का खतरा अधिक रहता है। ऐसे शिशुओं को विशेष निगरानी में रखा जाता है और जरूरत पड़ने पर एनआईसीयू में शिफ्ट किया जाता है। वहां, भी वार्मर की व्यवस्था है। चिकित्सकों का मानना है कि यदि समय रहते हाइपोथर्मिया की पहचान कर ली जाए और उचित तापमान बनाए रखा जाए, तो नवजातों को गंभीर जटिलताओं से बचाया जा सकता है।

मुरादाबाद जोन बना ओवरऑल चैंपियन, सीतापुर के शाहीन को मिला बेस्ट घोड़े का खिताब

डॉ. भीमराव आंबेडकर उप्र पुलिस अकादमी में आयोजित 27वीं वार्षिक उत्तर प्रदेश पुलिस अश्वारोहण प्रतियोगिता का सोमवार को समापन हुआ। इस अवसर पर यूपी पुलिस ओपन शो जंपिंग (सिक्स यार्ड), यूपी पुलिस टीम टेंट पेगिंग और यूपी पुलिस टॉप स्कोर जैसी रोमांचक स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इनमें प्रदेश के विभिन्न जोन की टीमों ने उत्कृष्ट कौशल, अनुशासन और खेल भावना का परिचय दिया। मुरादाबाद जोन ने ओवरऑल चैंपियनशिप जीती।ओपन शो जंपिंग (सिक्स यार्ड) स्पर्धा में प्रशिक्षण जोन मुरादाबाद, लखनऊ जोन और सीतापुर के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कड़े मुकाबले में प्रशिक्षण जोन मुरादाबाद के मुख्य आरक्षी मुकेश बाबू ने अपने अश्व 'मोंटीना' के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। सीतापुर के आरक्षी अविनाश कुमार ने अश्व 'शाहीन' के साथ द्वितीय और सीतापुर के ही आरक्षी अजय सिंह ने अश्व 'दारा' के साथ तृतीय स्थान हासिल किया। यूपी पुलिस टीम टेंट पेगिंग स्पर्धा में अलीगढ़, बरेली, मेरठ, सीतापुर और प्रशिक्षण जोन मुरादाबाद की टीमों ने भाग लिया। इस स्पर्धा में प्रशिक्षण जोन मुरादाबाद की टीम से उप निरीक्षक एमपी राज नरेश (अश्व राजा), मुख्य आरक्षी मुकेश बाबू (अश्व बादल), मुख्य आरक्षी बीर सिंह (अश्व भारत) और आरक्षी प्रमोद कुमार मौर्य (अश्व नीलकंठ) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

नए साल की शुरूवात में ओपन गार्डन हरी-भरी घास :: साथ में म्यूजिकल फाउंटेन का लें आनन्द

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। अक्षर विहार शहर का एक प्रमुख पर्यटन और मनोरंजन केंद्र बन चुका है. बरेली नगर निगम और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत इसे एक आधुनिक स्मार्ट पार्क के रूप में विकसित किया गया है.नए साल के अवसर पर बरेली के लोग यहाँ जाना पसंद करते हैं. यहाँ स्थित रेस्तरां द्वारा क्रिसमस से लेकर एक जनवरी तक बरेली का सबसे बड़ा न्यू ईयर सेलिब्रेशन आयोजित किया जाता है. जहां बरेली के लोग भारी संख्या में अपने परिवार या सगे संबंधी, मित्रों के साथ आना पसंद करते हैं। अक्षर विहार पार्क में बोनफायर नाइट्स, सिंगिंग नाइट्स, गेम्स और इन्फ्लुएंसर मीट जैसे कार्यक्रम होते हैं. यह एक नॉन-अल्कोहलिक और शुद्ध शाकाहारी उत्सव स्थल के रूप में लोकप्रिय है.जो परिवारों के लिए उपयुक्त है. लेजर लाइट म्यूजिकल फाउंटेन यह बरेली का पहला पार्क है. जहाँ देशभक्ति और अन्य थीम पर आधारित लेजर शो होता है.बच्चों के लिए झूले, व्यायाम के उपकरण और बतखों के साथ एक शांतिपूर्ण वातावरण उपलब्ध है।

पांच करोड़ के लक्ष्य में कृषि विभाग अटका, डीएम ने रिवाइज के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने सोमवार को सीएम डैशबोर्ड (राजस्व विभागों) की कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा की। भू-राजस्व की समीक्षा में 6 करोड़ रुपये जमा होने से ए ग्रेड मिली। कृषि विभाग के अधिकारियों ने कहा कि लक्ष्य बढ़ाकर पांच करोड़ रुपये कर दिया है, जबकि इतनी वसूली के साधन नहीं है, इस पर डीएम ने लक्ष्य रिवाइज कराने के निर्देश दिए।

डीएम ने सिंचाई विभाग, मुख्यमंत्री कृषक कल्याण योजना, उद्योग विभाग, बीडीए, खाद्य एवं रसद विभाग, औषधि विभाग, आरएफसी, गन्ना विभाग, पीएम स्वनिधि की समीक्षा कर सीएम डैशबोर्ड पर रैंकिंग बनाए रखने के निर्देश दिए। उप जिलाधिकारी न्यायिक आंवला, फरीदपुर और नवाबगंज को कोर्ट में लंबित वादों के निस्तारण के निर्देश दिए।

कन्या सुमंगला योजना के लंबित आवेदनों को सत्यापन करने के निर्देश दिए। शस्त्र, सीलिंग, शत्रु संपत्ति आदि के मामलों में भी सत्यापन करने को निर्देशित किया। बैठक में एडीएम ई पूर्णिमा सिंह, एडीएम फाइनेंस संतोष कुमार सिंह, एडीएम जे देश दीपक, एडीएम सिटी सौरभ दुबे, एसडीएम सदर प्रमोद कुमार आदि एसडीएम, एसीएम आदि जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

अलविदा 2025: देशभर में सुर्खियों में रहा बरेली का बवाल, हत्याओं से दहला जिला

बरेली में 26 सितंबर को हुआ बवाल देशभर में सुर्खियां बना रहा। इसके अलावा कई ऐसी आपराधिक घटनाएं भी हुईं तो चर्चित रहीं।साल 2025 में जघन्य अपराधों में कमी जरूर दर्ज की गई, लेकिन इस साल का दामन भी वक्त-वक्त पर खून से लाल होता रहा। इस बरस बरेली जिले में कुछ चर्चित हत्याएं हुईं तो 26 सितंबर को हुआ बवाल पूरे देश में सुर्खियां बना। पति संग मिलकर प्रेमी को ठिकाने लगाने का मामला भी बेहद चर्चित रहा। अन्य तरह के अपराध में भी उतार-चढ़ाव चलता रहा।ये हत्याएं रहीं चर्चित- 11 फरवरी को सेटेलाइट बस स्टैंड पर भीड़भाड़ के बीच प्रतापगढ़ निवासी पार्सल ठेकेदार बंधुओं पर गोलीबारी की गई थी। इसमें अतुल पांडेय घायल हो गए थे जबकि अनुज पांडेय की मौत हो गई थी।27 सितंबर को बारादरी क्षेत्र में हनुमान दल के जिला उपाध्यक्ष बिशारतगंज निवासी गौरव गोस्वामी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। बिथरी चैनपुर में 15 अक्तूबर को रामलीला मेला देखकर लौट रहे युवक अभिषेक यादव की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। जांच में सामने आया कि कहासुनी के बाद शराब का गिलास छलकने पर वारदात को अंजाम दिया था।- पति और ससुराल वालों ने दहेज में कार की मांग को लेकर 27 नवंबर को अधिवक्ता महजबीन अंसारी की हत्या कर दी। आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर वकीलों ने कई दिन भूख हड़ताल और धरना-प्रदर्शन भी किया था। पांच दिसंबर की सुबह सेंथल में मुकेश नाम के युवक की हत्या कर दी गई थी। जांच में पता लगा कि मुकेश के शादीशुदा महिला से अवैध संबंध थे। बाद में महिला ने पति का साथ दिया और दोनों ने मिलकर मुकेश की हत्या कर शव ठिकाने लगा दिया। बवालियों ने पुलिस को दी चुनौती- 26 सितंबर को बवालियों ने न सिर्फ शहर की फिजा में जहर घोला, साथ ही पुलिस को भी निशाना बनाया। अब तीन माह से पुलिस की ऊर्जा आरोपियों पर कार्रवाई में खर्च हो रही है। पुलिस ने बवाल के मास्टरमाइंड मौलाना तौकीर के खिलाफ कुल 14 मामले दर्ज किए हैं। 11 मामलों में तौकीर और उसके गुर्गों पर चार्जशीट दाखिल की गई है। मौलाना के खिलाफ पुराने मामलों की फाइल भी खुल गईं हैं। मौलाना के 187 गुर्गों के नाम विवेचना के दौरान प्रकाश में आए। 87 गुर्गों को गिरफ्तार किया जा चुका है। 22 आरोपियों को नोटिस तामील कराए गए हैं। 110 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया गया है। आरोपियों की संपत्तियों को सील और जमींदोज किया गया। 77 आरोपियों पर कार्रवाई बाकी है। बवाल के दौरान 36 पुलिसकर्मी व एक नागरिक घायल हुआ था। अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर शूटरों ने की फायरिंग- 11 और 12 सितंबर की रात शहर स्थित अभिनेत्री दिशा पाटनी के घर पर गोल्डी बरार गैंग के बाइक सवार शूटरों ने फायरिंग कर दहशत फैला दी। एसटीएफ ने दिल्ली और हरियाणा पुलिस के साथ मिलकर सोनीपत निवासी रविंद्र और अरुण को गाजियाबाद में ढेर कर दिया। चिटफंड कंपनियों ने लगाया निवेशकों को चूना- कटरा चांद खां के निवासी अमर ज्योति यूनिवर्स निधि लिमिटेड के निदेशक पूर्व भाजपा नेता सूर्यकांत मौर्य और उसके भाई शशिकांत ने बदायूं व बरेली में दफ्तर खोलकर करोड़ों रुपये कंपनी में निवेश कराए। जून में दफ्तर बंद कर दोनों भाग गए। पुलिस इनाम घोषित करने के अलावा सूर्यकांत और उसके गिरोह पर ठोस कार्रवाई नही कर सकी। इस मामले में हाईकोर्ट ने भी पुलिस को फटकार लगाई थी। कैनविज कंपनी के निदेशक कन्हैया गुलाटी ने अपने गुर्गों और परिवार के साथ मिलकर सैकड़ों लोगों की मेहनत की कमाई डकार ली। दो दर्जन मुकदमे दर्ज किए जा चुके हैं। एसएसपी ने एसआईटी भी गठित कर दी है, लेकिन निवेशकों को ठगों की गिरफ्तारी और रकम वापस मिलने का इंतजार है। ट्रेडिंग में निवेश करने पर मोटा मुनाफा देने का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने का आरोपी किला निवासी शैलेंद्र भी पुलिस की पकड़ से दूर है। साल के शुरुआत में शैलेंद्र लोगों के करोड़ों रुपये लेकर चंपत हो गया। उसके खिलाफ कई मामले भी दर्ज हो चुके हैं। पुलिस ने शैलेंद्र की पत्नी हेमा राजपूत, गुर्गे रवि और प्रवेश को जेल भेजा, लेकिन शैलेंद्र का कोई सुराग नहीं लगा सकी। पुलिस की कार्रवाई पर एक नजर- गैंगस्टर के 23 मुकदमे दर्ज कर 128 अपराधियों पर कार्रवाई की गई। 289 अपराधियों पर गुंडा एक्ट लगाया गया। 218 अपराधियों की हिस्ट्रीशीट खोली गई। 37 अपराधियों को जिला बदर किया गया। एनडीपीएस के 276 मुकदमे दर्ज कर 509 तस्करों पर कार्रवाई की। इस दौरान करीब 11 किलो स्मैक, 111 किलो अफीम, 817 ग्राम कोकीन सहित गांजा, चरस, मार्फिन, हेरोइन, डोडा व अन्य मादक पदार्थ बरामद किए गए। बरेली के चार तस्कर झारखंड में, चार हरियाणा में, दो असम में, एक मणिपुर में, एक पश्चिम बंगाल, एक पंजाब, तीन नेपाल में और 11 उत्तराखंड में पकड़े गए। बरेली एएनटीएफ यूनिट ने आंवला के गांव लक्ष्मीपुर निवासी नन्हे उर्फ हरीराम के खिलाफ पिट एनडीपीएस की कार्रवाई की। उम्मीदें 2026- जिले में नौ नई चौकियां और एक नया थाना बनाया जाएगा। जिले को नई भर्ती के जरिये 1393 पुरुष व महिला आरक्षी मिले हैं। इनको तैनाती देकर उनकी रुचि के मुताबिक जिम्मेदारी दी जाएगी। जाम व सड़क दुर्घटना रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट सुधारे जाएंगे। यातायात पुलिस उपकरणों से लैस होगी। हाईवे पर अवैध कट आदि बंद किए जाएंगे। जेब्रा लाइन, स्टाप लाइन और विभाजक पट्टी बनवाई जाएंगी। नई ट्रैफिक लाइटें लगाई जाएंगी। अवैध बाजार हटवाए जाएंगे। सिग्नल लाइटों की टाइमिंग ठीक कराई जाएगी। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि इस साल कई ऐसी घटनाएं हुईं, जिनसे शहर की शांति व्यवस्था को खतरा पैदा करने की कोशिश की गई। हालांकि, खुराफातियों से सख्ती से निपटा गया। पुलिस आम जनता के लिए है। वर्ष 2026 में भी पुलिस यह प्रयास करेगी कि संभ्रांत लोगों को कोई परेशानी न हो और अपराधियों को पूरा सबक मिले।

संक्षिप्त समाचार

आम जनता को सुरक्षित खाद्य व पेय पदार्थों की उपलब्धता हेतु निरंतर प्रयासरत है खाद्य विभाग

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी- अक्षय गोयल

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन अक्षय गोयल ने बताया कि जिले में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के माध्यम से आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य पदार्थ की विभाग व पेय उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु निरंतर कार्रवाई की जा रही है। इसके साथ ही बताया कि नियमित रूप से निरीक्षण व विशेष पर्वों पर विशेष अभियान चलाकर नमूना संग्रहण किया जाता है एवं एकत्र नमूने जांच हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किए जाते हैं। रिपोर्ट अधोमानक एवं मिथ्या छाप प्राप्त होने पर संबंधित खाद्य कारोबार कर्ता के विरुद्ध न्याय निर्णय हेतु पत्रावली न्यायालय में दायर की जाती है।

असुरक्षित रिपोर्ट पर वाद सहायक आयुक्त(खाद्य) बरेली मंडल बरेली से सहमति प्राप्त कर माननीय न्यायालय एसीजेएम (प्रथम) बरेली में दायर किया जाता है। इसके साथ-साथ विभाग द्वारा आम जनमानस के ज्ञान संवर्धन हेतु एफ0एस0डब्लू द्वारा भी खाद्य पदार्थों की जांच की जाती है एवं विभिन्न जन जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं । उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा निरंतर आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य व पेय पदार्थ उपलब्ध कराने हेतु समय समय पर कार्यवाही भी की जा रही है ।

31 दिसंबर की रात हुड़दंग मचाया तो होगी सख्त कार्रवाई - अनुराग आर्य

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। नएवर्ष 2026 के जश्न को लेकर बरेली पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड पर है । एसएसपी साफ शब्दों में कहा है 2025 की रात अगर हुड़दंग पर उत्पात कानून-

अनुराग आर्य ने चेतावनी देते हुए कि 31 दिसंबर किसी ने भी मचाने, सड़क करने या फिर व्यवस्था से खिलवाड़ करने की कोशिश की तो उसके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एसएसपी ने दो टूक कहा कि शहर के अंदर बीच सड़क पर जश्न के नाम पर अराजकता किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अनुराग आर्य ने बताया कि न्यू ईयर सेलिब्रेशन के दौरान अक्सर कुछ असामाजिक तत्व सड़क पर गाड़ियां रोककर नाच-गाना, तेज आवाज में म्यूजिक, शराब के नशे में मारपीट और ट्रैफिक बाधित करने जैसी हरकतें करते हैं।

इस बार ऐसी गतिविधियों पर पूरी तरह लगाम लगाने के निर्देश दिए गए हैं। शहर के प्रमुख चौराहों, बाजारों और संवेदनशील इलाकों में भारी पुलिस बल तैनात रहेगा।

उन्होंने कहा कि सड़क पर केक काटना, डीजे बजाना, बाइक या कार से स्टंट करना, तेज रफ्तार और शराब पीकर वाहन चलाना सीधे तौर पर अपराध की श्रेणी में आएगा।

पकड़े जाने पर न सिर्फ वाहन सीज होंगे बल्कि संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने तक की कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भी पुलिस की पैनी नजर रहेगी और भड़काऊ या कानून तोड़ने वाले वीडियो पोस्ट करने वालों पर भी एक्शन लिया जाएगा।

एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि पुलिस जश्न को रोकना नहीं बल्कि शहर में अमन शांति, सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखें एसएसपी ने आम बरेली जनपद वासियों से अपील है कि वे आने वाले नव वर्ष शांति और मर्यादा में रहकर मनाएं।

धुरंधर देखकर रहमान डकैत की तरह कूंचा था सिर, बोले- गाली का बदला लेने के लिए चढ़ी सनक, शराब पिलाकर की हत्या

पूर्व पेट्रोलपंप कर्मी राहुल को नग्न कर पीटने के बाद हत्या करने के आरोपी जेल भेजे गए।धुरंधर फिल्म देखने के बाद रहमान डकैत की तरह निरालानगर मैदान में पूर्व पेट्रोलपंप कर्मी राहुल की सिर कूंचकर हत्या की गई थी। यह कहना है कि राहुल के हत्यारोपी नौबस्ता के बाबानगर निवासी कामता शर्मा और उसके भतीजे मोहित शर्मा का। इन्हें गोविंदनगर पुलिस ने मंगलवार को न्यायालय में पेश किया वहां से जेल भेज दिया गया।पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने कबूला था कि राहुल और इनके बीच दो दिन पहले दारू पीने के दौरान गाली गलौज हुई थी। राहुल ही उन लोगों को शराब पिलाता था लेकिन नशे में होने के बाद गालियां देकर बेइज्जत करता था। नशे की लत और मुफ्त की शराब पीने के चलते वह उससे दूरी नहीं बना पा रहे थे। दो दिन पहले शराब पीने के बाद राहुल ने गालियां दी तो मूड खराब हो गया। पीटा।मोटी जैकेट और कई कपड़े पहने होने के कारण उसके लग नहीं रहीं थी और वह चीख नहीं रहा था। ऐसे में जबरन उसके कपड़े उतार कर बेल्ट से पीटा और बाद में पास पड़ी ईंट से सिर कूंच दिया। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर उनके खून सने कपड़े और हत्या में प्रयुक्त ईंट बरामद कर ली गई है।

उपनिदेशक ने इग्नू परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केंद्र बरेली कॉलेज में क्षेत्रीय केंद्र लखनऊ से आए उपनिदेशक डॉक्टर जयप्रकाश ने निरीक्षण किया। ?उपनिदेशक डॉक्टर जयप्रकाश ने अध्ययन केंद्र में कराई जा रही परीक्षाओं पर संतुष्टि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इग्नू एक सर्व सुलभ शिक्षा का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। इस अवसर पर अध्ययन केंद्र की समन्वयक प्रो. वंदना शर्मा डॉ. बृजवास कुशवाहा, डॉ. अंकुर श्रीवास्तव, डॉ रमेश त्रिपाठी, डॉ. प्रियंक मल्होत्रा, भजनलाल, सरस शर्मा, दीपक लालाराम और हरे राम उपस्थित रहे।

अवैध मदरसा निर्माण पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / ? आंवला,बरेली । बिशारतगंज के ग्राम मोहम्मदगंज में अवैध मदरसा निर्माण का आरोप लगाते हुए दर्जनों ग्रामीणों ने सोमवार को तहसील पर प्रदर्शन किया। एसडीएम विदुषी सिंह को सौंपे पत्र में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि मकान के नाम पर बिना अनुमति के मदरसे का निर्माण किया गया है। विरोध करने पर दबंगों द्वारा धमकी दी जा रही है। ग्रामीणों ने जांच कर कार्रवाई की मांग की है। इस दौरान आराम सिंह, रामचंद्र, रामचंद्र, कृष्ण पाल, राकेश, हरपाल, ठाकुरदास, तुलसीराम, चंद्रपाल, ओम प्रकाश, टीकाराम, तेजपाल, जय सिंह, सोनू, जयपाल, सत्यपाल, राजवीर, कमल किशोर, गोपीचंद, बृजपाल, राम अवतार, जगदीश, कृष्ण पाल, फूल सिंह, वेदराम, सोमपाल वर्मा, बाबूराम, संतोष, वेदराम आदि मौजूद रहे।

पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर मंडल टनकपुर-अछनेरा विशेष गाड़ी का विस्तार किया

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्री जनता की सुविधा हेतु पूर्व से चलाई जा रही 05062/05061 टनकपुर-अछनेरा-टनकपुर विशेष गाड़ी का अवधि विस्तार 01 जनवरी से 27 फरवरी, 2026 तक किया गया है। अवधि विस्तार के फलस्वरूप यह गाड़ी टनकपुर एवं अछनेरा से 27 फरवरी, 2026 तक प्रत्येक सोमवार, मंगलवार, वृहस्पतिवार, शुक्रवार एवं रविवार को (सप्ताह में पांच दिन) चलायी जायेगी। इस गाड़ी का मार्ग एवं ठहराव निम्नवत रहेगा:-

05062 टनकपुर-अछनेरा विशेष गाड़ी टनकपुर से 04.10 बजे प्रस्थान कर खटीमा से 04.37 बजे, पीलीभीत से 05.08 बजे, भोजीपुरा से 05.42 बजे, इज्जतनगर से 06.03 बजे, बरेली सिटी से 06.22 बजे, बरेली जं0 से 06.37 बजे, बदायूँ से 07.16 बजे, ऊझानी से 07.29 बजे, सोरों शूकर क्षेत्र से 08.00 बजे, कासगंज से 08.40 बजे, सिकन्दराबाद राव से 09.06 बजे, हाथरस सिटी से 09.55 बजे, मथुरा कैण्ट से 10.42 बजे तथा मथुरा ज. से 11.00 बजे छूटकर अछनेरा 12.20 बजे पहुंचेगी ।

वापसी यात्रा में 05061 अछनेरा-टनकपुर विशेष गाड़ी अछनेरा से 15.30 बजे प्रस्थान कर मथुरा जं. से 16.35 बजे, मथुरा कैण्ट से 16.47 बजे, हाथरस सिटी से 17.19 बजे, सिकन्दरा राव 17.44 बजे, कासगंज से 18.20 बजे, सोरों शूकर क्षेत्र से 18.38 बजे, ऊझानी से 19.20 बजे, बदायूँ से 19.37 बजे, बरेली जं0 से 20.35 बजे, बरेली सिटी से 20.55 बजे, इज्जतनगर से 21.16 बजे, भोजीपुरा से 21.33 बजे, पीलीभीत से 22.23 बजे तथा खटीमा से 23.05 बजे छूटकर टनकपुर 23.45 बजे पहुंचेगी।

बरेली से नवी मुंबई तक होगी फ्लाइट शुरू, साल के अंत तक दो और नई उड़ानें शुरू करने का दावा

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। एयरपोर्ट को प्रदेश में पहली और देश में सातवीं रैंक मिलने के बाद नई उड़ानों की उम्मीदें जग गई हैं। बताते चलें कि मार्च के अंत तक बरेली नवी मुंबई के बीच उड़ान शुरू करने के लिए कवायद तेज हो गई है। इस उड़ान के लिए नवी मुंबई एयरपोर्ट पर स्लॉट और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) मिल गया है। जेवर एयरपोर्ट शुरू होने के बाद बरेली-दिल्ली और बरेली-मुंबई के लिए भी उड़ान शुरू करने का दावा है। बरेली एयरपोर्ट से फिलहाल सप्ताह में चार दिन मुंबई और तीन दिन बंगलूरू के लिए उड़ान है। बंगलूरू के लिए कोई ट्रेन नहीं है। के लिए अप-डाउन छह ट्रेन हैं, लेकिन यात्रियों के दबाव के कारण यह नो रूम रहती हैं। ऐसे में लोगों के पास हवाई यात्रा का ही विकल्प बचता है। दोनों हवाई रूटों पर यात्रियों के दबाव के बीच इंडिगो एयरलाइंस ने 180 सीटर एयरक्राफ्ट के स्थान पर 232 सीटर एयर बस ए-321 की उड़ान शुरू की है ।

जिला कारागार उरई में बंदियों को स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने रसोई में कार्यरत बंदियों को दिए स्वच्छता व गुणवत्ता संबंधी महत्वपूर्ण निर्देश जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश के क्रम में जिला कारागार उरई में निरूद्ध बंदियों को स्वच्छ, गुणवत्तापूर्ण एवं स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराए जाने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी वी0के0 राय, खाद्य सुरक्षा अधिकारी कन्हैयालाल यादव तथा कारागार चिकित्साधिकारी डा0 सर्वेश कुमार ने रसोई घर में कार्यरत बंदियों को आवश्यक दिशा-निर्देश एवं महत्वपूर्ण सुझाव दिए। अधिकारियों ने भोजन की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष जोर देते हुए बताया कि बालों की सफाई, नाखूनों का छोटा व स्वच्छ होना तथा बर्तनों की पूर्ण स्वच्छता ही सुरक्षित एवं शुद्ध भोजन की पहचान है। उन्होंने रसोई में कार्य के दौरान स्वच्छता नियमों का कड़ाई से पालन करने का आह्वान किया।

जागरूकता कार्यक्रम के उपरांत जेल अधीक्षक नीरज देव ने खाद्य सुरक्षा टीम के साथ कारागार के रसोईघर एवं खाद्यान्न भण्डार गृह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रसोईघर, भण्डार गृह एवं उपयोग में लाए जा रहे बर्तनों की गहनता से जांच की गई, जिसमें सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक एवं दुरुस्त पाई गईं। जिला कारागार उरई प्रशासन की यह पहल सर्दी के मौसम के दृष्टिगत बंदियों को स्वच्छ, ताजा एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने की दिशा में एक सराहनीय एवं महत्वपूर्ण कदम है।

इस अवसर पर कारागार चिकित्साधिकारी डा0 सर्वेश कुमार, उप कारापाल/खाद्य प्रभारी अमर सिंह, उप कारापाल सर्किल इंचार्ज रामलखन सहित अन्य कारागार स्टाफ उपस्थित रहा।

उरई में जिला प्रशासन का सख्त रुख, चौरसी मोड़ से हटाया गया अवैध अतिक्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ जिलाधिकारी के निर्देश पर संयुक्त टीम की कार्रवाई, यातायात व्यवस्था सुचारू करने की पहल जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार उरई शहर के प्रमुख चौराहों में से एक चौरसी मोड़ पर आज अवैध अतिक्रमण हटाने हेतु सघन अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व नगर मजिस्ट्रेट राजेश कुमार वर्मा ने किया।

इस दौरान पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग तथा नगर पालिका परिषद की संयुक्त टीम मौके पर मौजूद रही। संयुक्त टीम द्वारा सड़क मार्ग पर किए गए अस्थायी व स्थायी अवैध कब्जों, ठेलों एवं अन्य अवरोधों को हटवाया गया, जिससे यातायात व्यवस्था बाधित हो रही थी।

अतिक्रमण हटने के पश्चात चौरसी मोड़ पर वाहनों की आवाजाही सुचारू हुई तथा आमजन को राहत मिली। प्रशासन द्वारा संबंधित दुकानदारों व अतिक्रमणकर्ताओं को स्पष्ट चेतावनी दी गई कि भविष्य में सड़क अथवा फुटपाथ पर पुनः अतिक्रमण पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। नगर मजिस्ट्रेट ने बताया कि शहर को जाम मुक्त बनाने तथा आम नागरिकों की सुविधा के दृष्टिगत इस प्रकार के अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे।

प्रशासन की इस कार्रवाई से आमजन में सकारात्मक संदेश गया है।

चांदनी-बिहारपुर में कड़ाके की ठंड से जमी बर्फ की चादर, पाले ने बढ़ाई किसानों की चिंता

क्यूँ न लिखूँ सच /चांदनी बिहारपुर / (सूरजपुर)। सूरजपुर जिले के पहाड़ी एवं वनांचल क्षेत्र चांदनी-बिहारपुर में इस वर्ष ठंड ने असाधारण रूप धारण कर लिया है। बीते कुछ दिनों से लगातार तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है, जिसके चलते सुबह करीब 7 बजे तक घरों के बाहर, खेतों, घास और फसलों पर बर्फ की सफेद चादर जमी हुई दिखाई दे रही है। ठंड का यह नजारा जहां लोगों के लिए प्राकृतिक सौंदर्य का दृश्य बन गया है, वहीं दूसरी ओर किसानों के लिए यह गंभीर संकट का संकेत भी माना जा रहा है।

पहाड़ी अंचल में ठंड का ज्यादा असर- स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, चांदनी-बिहारपुर क्षेत्र पहाड़ी होने के कारण यहां ठंड का असर मैदानी इलाकों की तुलना में कहीं अधिक है। रात होते ही तापमान तेजी से गिर जाता है और तड़के सुबह तक खेतों में पाला जम जाता है। कई गांवों में लोग सुबह देर तक घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को ठंड से सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है।

सब्जी फसलों पर पाले का सीधा हमला- क्षेत्र के किसानों का कहना है कि पाला पड़ने से सब्जी फसलों को भारी नुकसान होने की आशंका है। टमाटर, आलू, मटर, गोभी, बैंगन, फूलगोभी और पत्तेदार सब्जियों की फसलों पर पाले का असर साफ दिखाई देने लगा है। कई खेतों में पौधों की पत्तियां झुलसने लगी हैं और कुछ जगह फसल खराब होने की स्थिति बन गई है। यदि ठंड का यह दौर कुछ दिन और जारी रहा तो उत्पादन में भारी गिरावट आ सकती है।

सब्जियों के दाम बढ़ने की आशंका- किसानों और व्यापारियों का मानना है कि पाले से यदि फसलों को व्यापक नुकसान हुआ तो बाजार में सब्जियों की आवक घटेगी। इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ेगा और सब्जियों के दाम एक बार फिर बढ़ सकते हैं। पहले से ही महंगाई से जूझ रहे लोगों के लिए यह एक और परेशानी बन सकती है।जनजीवन प्रभावित, अलाव का सहारा- कड़ाके की ठंड से जनजीवन भी पूरी तरह प्रभावित हो गया है। गांवों में जगह-जगह लोग अलाव जलाकर ठंड से बचाव करते नजर आ रहे हैं। सुबह-शाम ठंडी हवाओं के कारण सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। स्कूल जाने वाले बच्चों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। किसान कर रहे बचाव के प्रयास- पाले से फसलों को बचाने के लिए किसान पारंपरिक उपाय अपना रहे हैं। रात के समय खेतों में धुआं करना, हल्की सिंचाई करना और फसलों को ढकने जैसे प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन लगातार गिरते तापमान ने किसानों की चिंता और बढ़ा दी है। आगे और बढ़ सकती है ठंड- मौसम के जानकारों के अनुसार आने वाले दिनों में तापमान में और गिरावट की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसे में किसानों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की आवश्यकता है, वहीं आम नागरिकों से भी ठंड से बचाव के उपाय अपनाने की अपील की जा रही है।

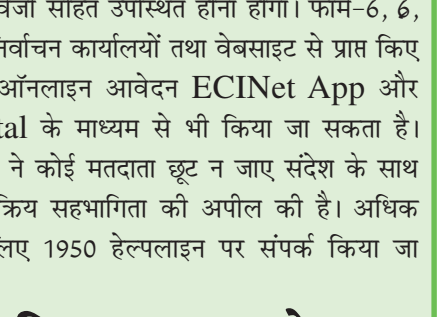

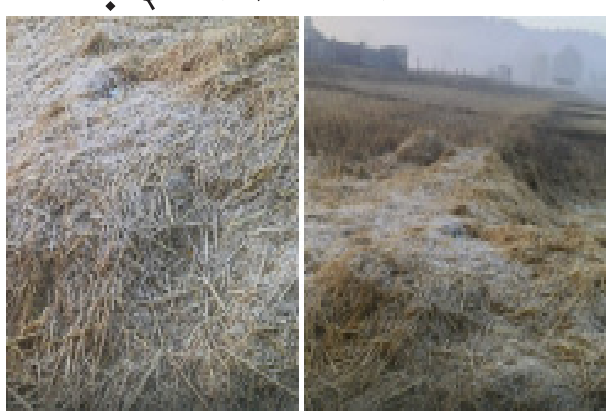

कड़ाके की ठंड में मानवता की मिसाल

दुर्गम पहाड़ी गांव बैजनपाठ में श्री सर्वेश्वरी समूह का सेवा अभियान, 184 नग सामग्री का वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच /चांदनी बिहारपुर / छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के अत्यंत दुर्गम, पहाड़ी एवं वनांचल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम खोहीर (बैजनपाठ) में अति ठंड को देखते हुए श्री सर्वेश्वरी समूह की शाखा मकरी कुटिया आश्रम द्वारा मानव सेवा का अनुकरणीय कार्य किया गया। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों, सीमित आवागमन साधनों और आज भी लालटेन युग जैसी स्थिति में जीवन यापन कर रहे ग्रामीणों के लिए यह सेवा अभियान संजीवनी साबित हुआ।

ऊँची पहाड़ियों पर बसे इस क्षेत्र में ठंड का प्रकोप अत्यधिक है, जिसका सबसे ज्यादा असर बुजुर्गों, महिलाओं और जरूरतमंद परिवारों पर पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए आश्रम द्वारा ठंड से राहत सामग्री का निःशुल्क वितरण किया गया। सेवा अभियान के अंतर्गत ग्रामीणों को 172 कंबल, 10 साड़ी, 2 लेडीज स्वेटर सहित कुल 184 नग सामग्री प्रदान की गई। सामग्री पाकर ग्रामीणों के चेहरों पर राहत और संतोष स्पष्ट नजर आया।

यह सेवा कार्य परम पूज्य अघोरेश्वर महाप्रभु राम जी एवं पूज्यपाद बाबा गुरुपद संभव राम जी की कृपा से तथा श्री बिहारीराम बाबा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजन-प्रार्थना एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई, जिसके पश्चात सभी ग्रामीणों को प्रसाद वितरण भी किया गया। पूरे आयोजन के दौरान सेवा, करुणा और समर्पण का भाव देखने को मिला।

कार्यक्रम में बिहारीराम बाबा (व्यवस्थापक, मकरी कुटिया), रमेश कुमार यादव (प्रचार मंत्री), पूनमचंद गोयल (मनु सेठ), ई.आर. लक्ष्मण जायसवाल, आशीष, तुलसी जायसवाल, मदन जायसवाल, गजमोचन सिंह एवं लाला देवांगन (समाजसेवी) सहित अनेक सेवाभावी सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि सेवा ही सच्ची साधना है और ऐसे दुर्गम क्षेत्रों में निरंतर सेवा कार्य किए जाते रहेंगे।

इस मानवीय पहल से न केवल जरूरतमंदों को ठंड से राहत मिली, बल्कि समाज में परस्पर सहयोग, संवेदना और मानवता का संदेश भी सशक्त रूप से प्रसारित हुआ।

संस्था ने सर्दी से बचाव हेतु बच्चों को जैकेट टोपी वितरित की

क्यूँ न लिखूँ सच /पवन कुमार/ कोंच(जालौन) आज स्वर्गीय राम प्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट के तत्वाधान में रेजा विला में आधा दर्जन बेटियों को सर्दी से बचने हेतु गरम जैकेट एवं गर्म टोपी तथा कम्वल वितरित किए गए आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खंड विकास अधिकारी प्रशांत कुमार की धर्मपत्नी श्री मति सरिता जी उपस्थित रही अन्य अतिथियों में श्रीमती प्रार्थना रेजा मनीषा सोनी प्रेमा देवी गुप्ता संतोषी सिंह डॉक्टर सरोज लोहिया शिक्षक राम शंकर छानी कुंवर नरसिहं गहरवार एडवोकेट उपस्थित रहे सर्व प्रथम मुख्य अतिथि श्री मति सरिता जी का मनीषा सोनी ने बैज लगाकर स्वागत सम्मान किया उपरांत श्रीमती प्रार्थना रेजा ने अपने सारगर्वित उद्बोधन में कहा कि स्वर्गीय राम प्यारी देवी रेजा ट्रस्ट के तत्वाधान में यह एक पुनीत कार्य किया गया इसमें मनीषा सोनी के द्वारा जो छह बेटियों को जैकेट दिए गए मैं मनीषा जी इसके लिए भूरी भूरी प्रशंसा करती हूं वही डॉक्टर सरोज लोहिया ने कहा कि जरूरतमंदों को दान देना सबसे अच्छा होता है वही डॉक्टर सरोज लोहिया द्वारा भी छह बेटियों को गर्म टोपी भेंट की गई इस अवसर पर प्रेमा देवी गुप्ता ने भी भावपूर्ण वक्तव्य दिया वही संतोषी सिंह ने कहा की हम लोगों को ट्रस्ट में सहयोग करके इस तरह से दान देकर सहयोग करना चाहिए इस अवसर पर राम शंकर छानी ने शानदार भजन की प्रस्तुति कर देकर सभी का मन मोह लिया वही कुंवर नरसिहं गहरवार एडवोकेट ने कहा के स्वर्गीय रामप्यारी देवी रेजा चाची मुझे बहुत स्नेह करती थी निश्चित तौर पर उनकी याद में उनके पुत्रों द्वारा यह जो ट्रस्ट स्थापित किया गया यह बहुत ही सराहनीय कार्य है उन्होंने कहा कि /बाड़े पुत्र पिता के धरना/ एक और कहावत है करते हो तुम कन्हैया मेरा नाम हो रहा है इस अवसर पर सागरिका बेटी ने भी अपने विचार व्यक्त किये वहीं बेटी पिंकी लोहिया ने कहा की ऐसे दान करने से मन को बहुत आत्मिक शांति मिलती है और मैं समय-समय पर इस तरह केदान करती रहती हूं मुख्य अतिथि श्री मति सरिता जी ने कहा

कि यह स्वर्गीय रामप्यारी देवी रेजा एजुकेशनल ट्रस्ट के द्वारा जो विगत तीन वर्षों से अपने चारों विजन पर कार्य किया जा रहा हैं सुनकर बहुत प्रसन्नता हुई उन्होंने कहा कि मैंने इस तरह का पुनीत कार्य पहली बार देखा मुझे बहुत अच्छा लगा तथा श्री राजीव रेजा जी ने मुझे मुख्य अतिथि के के रूप में आमंत्रित किया इसके लिए मैं बहुत बहुत धन्यवाद देती हूं वही मुख्य अतिथि ने भी सभी छह बेटियों को नगद राशि भेंट की इस अवसर पर दो जरूरतमंद लोगों को कंबल भी वितरित किए गए मुख्य अतिथि श्रीमती सरिता जी को ट्रस्ट की डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर नीता रेजा ने स्मृति चिन्ह देकर उनका सम्मान किया आयो जित संपूर्ण कार्य क्रम का सफल एवं शानदार संचालन ट्रस्ट के डायरेक्टर इंजीनियर राजीव कुमार रेजा ने किया वही कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त ट्रस्ट की डिप्टी डायरेक्टर डॉक्टर नीता रे जा ने व्यक्त किया बच्चों के चेहरे पर मुस्कान दिखी

संक्षिप्त समाचार

मतदाता सूची में नाम जुड़वाएं, जिम्मेदार नागरिक बनें

फोटो निर्वाचक नामावली का विशेष गहन पुनरीक्षण-2026, 22 जनवरी तक दावे-आपत्तियां

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा /शिवपुरी, ब्यूरो। मध्यप्रदेश में फोटो निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 (SIR-2026) की प्रक्रिया जारी है। इसके अंतर्गत प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 23 दिसंबर 2025 को किया जा चुका है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री संजीव कुमार झा ने नागरिकों से अपील की है कि वे मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांचें और पात्र होने पर समय-सीमा में दावे-आपत्तियां दर्ज कराएं। प्रारूप मतदाता सूची voters.eci.gov.in, ceoelection.mp.gov.in तथा ECINet App पर उपलब्ध है। दावे एवं आपत्तियां प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 22 जनवरी 2026 निर्धारित की गई है। इस अवधि में प्रत्येक कार्यदिवस पर सभी मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल ऑफिसर (BLO) उपस्थित रहेंगे, जिनके माध्यम से नाम जोड़ने, हटाने अथवा संशोधन से संबंधित आवेदन किए जा सकते हैं। नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म-6 के साथ घोषणा-पत्र (Anne&ure-IV) प्रस्तुत करना अनिवार्य है। राज्य से बाहर से स्थानांतरित होकर आए मतदाताओं को फॉर्म-8 के साथ भी घोषणा-पत्र देना होगा। ऑफलाइन आवेदन करने वाले मतदाताओं को क्क्ष्ह्र से पावती प्राप्त करने की सलाह दी गई है। दावे-आपत्तियों के निराकरण के बाद पात्रता की जांच उपरांत आवश्यकतानुसार मतदाताओं को नोटिस जारी कर 14 फरवरी 2026 तक सुनवाई की जाएगी। सुनवाई के दौरान संबंधित मतदाता को निर्धारित समय एवं स्थान पर आवश्यक दस्तावेजों सहित उपस्थित होना होगा। फॉर्म-6, 6, 7 एवं 8 क्क्ष्ह्र, निर्वाचन कार्यालयों तथा वेबसाइट से प्राप्त किए जा सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन ECINet App और Voters Portal के माध्यम से भी किया जा सकता है। निर्वाचन विभाग ने कोई मतदाता छूट न जाए संदेश के साथ नागरिकों से सक्रिय सहभागिता की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए 1950 हेल्पलाइन पर संपर्क किया जा सकता है।

सर्दी का सितम: सुबह से छाया घना कोहरा, चली शीत लहर

सर्दी का प्रकोप कम होने का नाम नहीं ले रहा है, सुबह से घना कोहरा छाया रहा जिस के कारण बाजारों में लोगों की आवाजाही कम रही। सर्दी से बचने के लिए लोगों ने जगह-जगह अलाव जलाकर हाथ सेंकते नजर आए। दोपहर बाद सूरज और बादलों के बीच आंख मिचौनी होती रही। सोमवार को न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कोहरे की चादर ने सड़कों को अपनी आगोश में ले रखा है जिससे वाहनों की रफ्तार सुस्त रही।

सुबह से शाम तक कोहरा छाया रहा और शीत लहर चलती रही। पहाड़ों पर बर्फबारी होने से मैदानी क्षेत्रों में सर्दी का सितम बढ़ रहा है। मौसम वैज्ञानिकों ने तीन दिन तक सर्दी राहत नहीं मिलने की आशंका जता रहे है। कोहरा होने के कारण हाईवे पर वाहन धीमी रफ्तार से चले। शाम ढले लोगों ने घरों की राह पकड़ ली, जिससे बाजारों में सन्नाटा पसर गया। ज्यादा दिक्कत उन किसानों को उठानी पड़ी जो सुबह कोहरे में गन्ना कटाई करने खेतों पर पहुंचे। कुछ रोडवेज बसों में टूटे शीशे होने के कारण यात्रियों का सर्दी से बुरा हाल हो गया। शाम होते ही फिर से सर्दी बढ़ने के कारण लोग अपने-अपने घर में दुबक गए और सड़कों पर सन्नाटा पसर गया। कृषि विश्वविद्यालय मेरठ के मौसम वैज्ञानिक डॉ. उदय प्रताप शाही ने बताया कि 3 दिन तक शीतलहर के साथ घना कोहरा छाए रहने के आसार हैं। शीतलहर की तीव्रता अगले 2 दिन ज्यादा रहने की संभावना है। हाल-ए-मौसम अधिकतम तापमान- 17 डिग्री सेल्सियस
न्यूनतम तापमान- 8 डिग्री सेल्सियसआद्रता- 62 प्रतिशत वायु वेग- 8 किमी. प्रतिघंटा

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

जंगल से चोरी कर लकड़ी काटने वाला अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी की गयी 06 बोटा शाखू, 03 बोटा सागौन, 02 बोटा शीशम की लकड़ी बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती।पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी द्वारा जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे प्रभावी नियंत्रण व कार्यवाही तथा वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी के सम्बन्ध में दिये गये आदेश निर्देशों के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द उत्तम व क्षेत्राधिकारी भिनगा सतीश कुमार शर्मा के कुशल पर्वेक्षण में थानाध्यक्ष सिरसिया शैलकांत उपाध्याय के नेतृत्व में थाना सिरसिया की पुलिस टीम द्वारा रात्रि गस्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर स्थानीय पुलिस टीम व वन विभाग की संयुक्त टीम द्वारा ग्राम रामपुर बंधा मे मुखबिर के द्वारा बताया गए स्थान पर पहुंच कर व्यक्ति को पकड़ लिया गया नाम पता पूछने पर अपना नाम शैलेश कुमार यादव पुत्र रामेश्वर यादव निवासी रामपुर बंधा थाना सिरसिया जनपद श्रावस्ती बताया।

अभियुक्त के पास से जंगल से चोरी की गयी 06 बोटा शाखू, 03 बोटा सागौन, 02 बोटा शीशम की लकड़ी बरामद की गयी। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना सिरसिया पर मु0अ0सं0 358/25 धारा 303 (2),317(2) बीएनएस व 26 भारतीय वन अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी।

62वीं वाहिनी एसएसबी मुख्यालय भिनगा में सेक्सुअल हरासमेंट विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती ललेंद्र रत्नाकर, द्वितीय कमान अधिकारी के नेतृत्व में सशस्त्र सीमा बल की 62वीं वाहिनी, भिनगा के वाहिनी मुख्यालय में सेक्सुअल हरासमेंट (कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न) से सम्बंधित एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के दौरान उत्तर प्रदेश पुलिस से पधारे उप निरीक्षक प्रेमा नंद यादव, आरक्षी पम्मी शाहू, शान्ति शुक्ला एवं सरिता जायसवाल द्वारा वाहिनी में उपस्थित महिला बलकर्मियों एवं पुरुष बलकर्मियों को कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की परिभाषा, इसके विभिन्न स्वरूपों, कानूनी प्रावधानों, शिकायत प्रक्रिया तथा पीड़ितों के अधिकारों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

कार्यशाला में वक्ताओं ने यह भी बताया कि किसी भी प्रकार के लैंगिक उत्पीड़न को सहन न करते हुए समय रहते उसकी सूचना संबंधित अधिकारियों अथवा आंतरिक शिकायत समिति को देना आवश्यक है। उन्होंने सुरक्षित, सम्मानजनक एवं भयमुक्त कार्य वातावरण बनाए रखने पर विशेष बल दिया। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी द्वारा कहा गया कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ बल में अनुशासन, आपसी सम्मान और सकारात्मक कार्य संस्कृति को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में गरिमामय विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान समारोह अभिभावक सम्मेलन संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच /रमाशंकर तोमर/ देवेंद्रनगर (पन्ना) मध्यप्रदेश/ देवेंद्रनगर स्थित सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नगर की सर्वाधिक प्राचीन, प्रतिष्ठित एवं संस्कारोन्मुख शिक्षण संस्था है। यह विद्यालय विगत दशकों से विद्यार्थियों को केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही नहीं, बल्कि अनुशासन, नैतिकता, नेतृत्व एवं राष्ट्रसेवा के मूल्यों से भी संस्कारित करता आ रहा है। विद्यालय का लक्ष्य विद्यार्थियों के चहुँमुखी विकास को केंद्र में रखकर उन्हें एक सफल, सशक्त, संस्कारी एवं जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करना है। इसी शैक्षिक परंपरा को आगे बढ़ाते हुए विद्यालय परिसर में विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान समारोह सह अभिभावक सम्मेलन का भव्य एवं गरिमामय आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नागौद विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री नागेंद्र सिंह तथा विशिष्ट अतिथि गुनौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती एवं राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के छायाचित्रों पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

इस अवसर पर विधायक श्री नागेंद्र सिंह द्वारा वर्ष 2014 में सांसद निधि से विद्यालय को प्रदत्त ?5 लाख की राशि से संबंधित शिल्प पट्टिका का अनावरण किया गया। तत्पश्चात नन्हे विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने समारोह को उल्लासमय एवं भावपूर्ण वातावरण प्रदान किया।

कार्यक्रम में शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं विविध प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। साथ ही अभिभावकों से संवाद कर शिक्षा में संस्कारों की भूमिका, पारिवारिक सहभागिता एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर सार्थक विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के पूर्व प्रभारी प्राचार्य श्री युगल किशोर सिंह ने की।

इस अवसर पर गुनौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने कक्षा 10वीं (सत्र 2024-25) की बोर्ड परीक्षा में प्रदेश की टॉप-10 सूची में सातवाँ स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा प्रिया पटेल को ?10,000 की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की। वहीं संस्था के संरक्षक सदस्य श्री फूलचंद विश्वकर्मा ने अपनी पूर्व घोषणा के अनुरूप ?5,000, तथा श्री रामभजन त्रिपाठी द्वारा ?4,000 की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।डॉ. राजेश वर्मा ने विद्यालय के भौतिक एवं शैक्षिक उन्नयन हेतु विधायक निधि से ?5 लाख की अतिरिक्त राशि प्रदान करने की घोषणा भी की, जिसका उपस्थित जनसमूह ने करतल ध्वनि से स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर विद्यालय व्यवस्थापक श्री रामलखन शुक्ला, उपाध्यक्ष श्री विनोद गुप्ता, संरक्षक सदस्य डॉ. रामसुख सोनी, श्री हरदेव सिंह, श्री प्रमोद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री शैलेश अग्रवाल, शिवप्रसाद गुप्ता, संजीव कुशवाहा,प्राचार्य श्री पूरन सिंह राजपूत, श्री शिवेंद्र नामदेव, समस्त आचार्य-दीदी, विद्यार्थी, अभिभावकगण एवं पत्रकार बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत संस्कृत श्लोक, नाट्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ सरस्वती विद्या भारती की शिक्षादृष्टि-सा विद्या या विमुक्तये-को सजीव रूप में प्रतिबिंबित करती रहीं। यह आयोजन न केवल प्रतिभा सम्मान समारोह रहा, बल्कि विद्यालय एवं अभिभावकों के सशक्त समन्वय का एक प्रेरणादायी उदाहरण भी बना।

राष्ट्रीय अविष्कार अभियान'' के तहत जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी कार्यक्रम का हुआ आयोजनं

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा जनपद के सभी विकास खण्डों के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों से आये बच्चों द्वारा कलेक्ट्रेट स्थित तथागत हाल में ''राष्ट्रीय अविष्कार अभियान'' के अन्तर्गत जनपद स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका सांसद श्रावस्ती राम शिरोमणि वर्मा, विधायक भिनगा इंद्राणी वर्मा, जिलाधिकारी अश्विनी कुमार पाण्डेय विधायक श्रावस्ती प्रतिनिधि अवधेश पाण्डेय, एवं मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद ने द्वीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। इस दौरान उन्होने छात्र-छात्राओं द्वारा लगायी गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर जायजा लिया। मा0 जनप्रतिनिधियो एवं जिलाधिकारी ने बच्चों से विज्ञान प्रदर्शनी में लगाये गये उनके विषय के संबंध में भी जानकारी ली। प्रदर्शनी में शामिल बच्चों ने जिलाधिकारी के एक-एक सवाल का उत्तर दिया। जिस पर जिलाधिकारी ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने हेतु उत्साहवर्धन भी किया। इस अवसर पर मा0 सांसद ने कहा कि छात्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि बढ़ाना' राष्ट्रीय आविष्कार अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों और युवाओं को विज्ञान, गणित और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रेरित करना है, ताकि वे विज्ञान के क्षेत्रों में रुचि लें और अपने भविष्य को बेहतर बनाएं।

विधायक भिनगा ने कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों के मन में नए विचारों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करता है, ताकि वे तकनीकी और वैज्ञानिक क्षेत्रों में दक्ष बन सकें और आगे चलकर विज्ञान के क्षेत्र में अपना योगदान दे सके विधायक श्रावस्ती प्रतिनिधि अवधेश पाण्डेय ने कहा कि इस प्रदर्शनी के माध्यम से प्राथमिक विद्यालय के बच्चों में विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी आधारित शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा बच्चों में वैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास भी हो सकेगा। इसलिए सभी छात्र-छात्राएं अपनी अभिरूचि के अनुसार नये-नये प्रयोग कर विज्ञान के नये आयाम प्राप्त करें और आगे बढ़े।जिलाधिकारी ने कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है, सुव्यवस्थित, सुसंगठित एवं क्रमबद्ध ज्ञान ही विज्ञान है। छात्र-छात्राएं विज्ञान के प्रति अपनी अभिरुचि बढ़ाते हुए इस क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाएं। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रदर्शनी का आयोजन समय-समय पर होना चाहिए। इससे बच्चों के अंदर का वैज्ञानिक गुण का विकास होता है, जिससे उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि प्रत्येक वर्ष छात्रों के लिए विभिन्न कार्यशालाएं, प्रशिक्षण सत्र और विज्ञान परियोजनाओं का आयोजन किया जाता है, जिसमें उन्हें न केवल वैज्ञानिक सिद्धांतों को समझाया जाता है, बल्कि उन्हें प्रयोगशाला में प्रयोग करने का अवसर भी दिया जाता है, जिससे वे विज्ञान के क्षेत्र में कुशल छात्र बन सकें प्रदर्शनी में निर्णायक मंडल में शामिल समिति द्वारा सभी बच्चों के मॉडल का आकलन किया गया, जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान वाले छात्र-छात्राओं को मा0 सांसद, मा0 विधायक भिनगा, मा0 विधायक श्रावस्ती प्रतिनिधि, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन बेसिक शिक्षा विभाग के जिला समन्वयक अजीत उपाध्याय ने किया।इस अवसर पर आशुतोष पाण्डेय, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि प्रकाश चन्द्र, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार गुप्ता, खण्ड शिक्षा अधिकारीगण सहित अध्यापक/अध्यापिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

नाले में मिला राज मिस्त्री का शव

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के मल्हीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत लक्ष्मणपुर सेमरहनिया के मजरा सुखरामपुरवा निवासी राज मिस्त्री वीरेंद्र कुमार का शव भकला नाले में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। वीरेंद्र कुमार बीते दो दिनों से लापता बताए जा रहे थे। मृतक की शादी लगभग 25 वर्ष पूर्व हुई थी, लेकिन उन्हें कोई संतान नहीं थी। वह दो भाइयों में बड़े थे और राज मिस्त्री का काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे, जबकि उनका छोटा भाई मुंबई में मजदूरी करता है। परिजनों ने बताया कि पिछले तीन दिनों से वीरेंद्र कुमार की तलाश आसपास के इलाकों में की जा रही थी। सुबह नासिरगंज से करीब दो किलोमीटर दूर भागल पुल के पास उनकी चप्पल और कपड़े दिखाई देने पर बहन को अनहोनी की आशंका हुई। इसकी सूचना मल्हीपुर थाना पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से भकला नाले में तलाश कर शव बरामद किया। शव मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक की पत्नी गहरे सदमे में है, जिन्हें परिजनों और ग्रामीणों ने किसी तरह संभाला। मौके पर पुलिस व फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर जांच-पड़ताल की और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। मामले की जांच जारी है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

छत्तीसगढ़ में कर्मचारियों की हड़ताल से शिक्षा व्यवस्था ठप

क्यूँ न लिखूँ सच /चांदनी बिहारपुर / दूसरे दिन भी स्कूलों में ताले, ग्रामीण इलाकों में हाहाकार चांदनी बिहारपुर छत्तीसगढ़ में कर्मचारियों की तीन दिवसीय हड़ताल ने अब शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह पंगु कर दिया है। प्राथमिक शाला मोहरसोप, प्राथमिक शाला ठुठियापारा एवं माध्यमिक शाला मोहरसोप में हड़ताल के दूसरे दिन भी एक भी कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं पहुंचा, जिसके चलते सभी स्कूलों में ताले लटके रहे और परिसर वीरान नजर आया। सुबह स्कूल समय पर जब बच्चे पढ़ने पहुंचे, तो उन्हें बंद गेट और लटके ताले मिले। मजबूर विद्यार्थियों को बिना पढ़ाई के वापस लौटना पड़ा। लगातार दूसरे दिन स्कूल बंद रहने से बच्चों की पढ़ाई पूरी तरह ठप हो गई है, वहीं ग्रामीण अभिभावकों में गहरा रोष और चिंता देखी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले ही क्षेत्र में शैक्षणिक संसाधनों की कमी है, ऊपर से इस तरह की हड़ताल ने बच्चों का भविष्य अंधकार में डाल दिया है। बच्चों की गलती क्या है? पढ़ाई का नुकसान कौन पूरा करेगा? – अभिभावकों का सवाल। सूत्रों के अनुसार, प्रदेशभर में कर्मचारी तीन दिनों तक हड़ताल पर रहेंगे, जिससे आने वाले दिनों में भी शासकीय स्कूलों और अन्य विभागों के कामकाज पर गंभीर असर पड़ना तय है। यदि समय रहते समाधान नहीं निकला, तो हड़ताल और तेज होने की आशंका जताई जा रही है।हड़ताली कर्मचारियों ने स्पष्ट कहा है कि जब तक उनकी मांगों पर शासन ठोस निर्णय नहीं लेता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। वहीं दूसरी ओर, लगातार बंद स्कूलों ने शासन और शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

बड़ा सवाल- बच्चों की पढ़ाई के नुकसान की जिम्मेदारी कौन लेगा?क्या शासन जल्द समाधान निकाल पाएगा या हड़ताल और लंबी चलेगी?

अपना दल एस युवा मंच के जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी ने अग्नि कांड से पीड़ित व्यापारी से मिले, हर संभव मदद दिलाने का प्रयास करेंगे अनिल कुदारी

क्यूँ न लिखूँ सच /राजेंद्र विश्वकर्मा / कोंच(जालौन) आज उरई से अपना दल एस युवा मंच के जिलाध्यक्ष अनिल कुदारी अपना दल एस के प्रांतीय कार्य कारिणी के सदस्य रोहित राठौर पन्यारा आदि ने कोंच के जवाहर नगर इलाके में स्थित मित्तल इंटरप्राइजेज की दुकान में बीते दिन अग्निकांड को लेकर हुए भारी नुकसान को लेकर वहां पहुंचे और पीड़ित व्यापारी से मिले और इस घटना को लेकर कहा कि यह घटना दुखद है निश्चित रूप से व्यापारी का काफी नुकसान हो गया है जिसको लेकर उन्होंने कहा कि सरकार से वह इस घटना को अवगत करायेगें और जो भी मदद संभव होगी दिलाने का प्रयास करेंगे इस अवसर पर लाल सिंह कुशवाहा पिया राम बाबू पिया निरंजनपुर आदि लोग मौजूद रहे

A small kitchen spice that's a 'superfood' for the body. Start drinking its water today.

Did you know that a small spice in your kitchen can transform your life? 'Celery water' isn't just a recipe, it's a 'magic drink' for the body. Let's find out what health benefits drinking a glass of this water on an empty stomach in the morning can bring. Celery improves the digestive system and relieves constipation and gas. Drinking celery water detoxifies the body. It regulates blood sugar, hormones, and benefits skin and hair. What we eat and drink first thing in the morning has a direct impact on our health. Celery is an Indian spice known for its medicinal properties. Celery isn't just for enhancing the flavor of food, but it's also extremely beneficial for health. Especially when it's soaked in water or boiled, its benefits are multiplied. You can see significant health changes by including it in your diet in every season. Maintain a healthy digestive system - Celery water is an excellent remedy for stomach problems. It helps improve digestion. If you suffer from constipation, gas, or indigestion, drinking celery water on an empty stomach in the morning cleanses and lightens the stomach. Good for weight loss: If you're struggling with obesity, celery water is an excellent option. It boosts metabolism, which helps burn calories faster and makes the body feel lighter. Removes toxins from the body - Celery water is a natural detoxifier. It removes toxins from the body and improves blood circulation. Helps control hormones and blood sugar - Drink celery water to control blood sugar and hormonal balance. This can be beneficial for those suffering from diabetes and hormonal imbalances. Relieves swelling - Celery has antibacterial and anti-inflammatory properties. Drinking this water can help relieve swelling in the hands or feet. It also has the ability to prevent bacteria and viruses. Good for skin and hair, celery water cleanses the body from within, removing dead skin and leaving it naturally glowing. It's also beneficial for hair, reducing dryness and strengthening new hair. How to make celery water? Take 1-2 teaspoons of celery seeds. Soak them in water overnight or boil them lightly.

Drink this water in the morning on an empty stomach. You can add lemon or honey to enhance the taste.

South Indian breakfasts are a boon for gut health. 2 must-try dishes for a healthy and light breakfast

South Indian dishes like dosa and uttapam are fermented and are very beneficial for digestion and gut health. They are a good source of probiotics and a light and healthy breakfast option. Both of these dishes can be made from a batter. Let's learn how to make them. South Indian breakfasts can be beneficial for digestion. Being fermented, they are beneficial for digestion. Idli and uttapam are good breakfast options. South Indian dishes are not only delicious, but because they are fermented, they are also very good for digestion. Therefore, including them in your breakfast can be very beneficial for your gut health. Being fermented, they are a good source of probiotics, which support healthy gut health. So, if you're looking for something light and healthy for breakfast, plain dosa and uttapam are great options. The good thing is that they both use the same batter. Let's learn these easy recipes for plain dosa and uttapam. How to prepare the batter for dosa and uttapam? Ingredients: Rice - 3 cups Washed urad dal - 1 cup Fenugreek seeds - 1 tsp (this makes the dosa crispy) Salt - to taste Method: Soak the rice, lentils, and fenugreek seeds in separate pots for 5-6 hours. Grind them separately to form a fine paste. Combine both in a large bowl and whisk well. Cover the batter and leave it in a warm place to ferment for 8-10 hours (or overnight). In the morning, add salt and a little water as needed to make a thick batter. Plain Dosa Recipe - First, heat a non-stick pan, sprinkle some water on it, and then wipe it with a cloth. Pour a ladle of batter into the center of the pan and spread it in a circular motion. Drizzle a little oil or ghee around the edges. When the dosa is golden and crispy on the bottom, gently flip it over or roll it into a roll and remove it from the pan. Serve with coconut chutney or sambar. Vegetable Uttapam Recipe - First, heat the pan with a little oil. Pour a ladle of batter onto the pan, but don't spread it thinly like a dosa. Keep it thick and small. Top with chopped onions, tomatoes, green chilies, grated carrots, and coriander leaves. Sprinkle a little salt and pepper over the pan, and press the vegetables lightly with the ladle to ensure they adhere to the batter. Drizzle oil around the edges, cover, and cook on low heat for 2 minutes. Now flip it over and cook the vegetables on the other side until golden brown. Serve this with coconut chutney or sambar.

Couldn't make plans due to work? How to organize a spectacular New Year's Eve house party in no time.

If you've been unable to go out for a New Year's party due to your busy schedule, but now you're craving one, let us give you some ideas that can help you easily organize a party at home... Have the party on the terrace or in the hall, be especially mindful of the cold. Fairy lights, balloons, and a theme dress will add to the atmosphere. Make the party fun with snacks, cake, music, and games. New Year's Eve celebrations are special for everyone. Some people go out to party, while others welcome the New Year at home. If you're also in the mood for a party at home, we'll give you some tips that will make it easier for you to organize a party in less time. You just need to make a few arrangements, such as, if children are coming to the party, what to keep for their entertainment, where to place the decorations, what the party attire will be, what food will be served, etc. Have a party on the terrace or in the hall - If your house is small, you can organize the party on the terrace. The open space on the terrace will allow people to dance. However, make this decision keeping the cold in mind. Fairy lights can be used for decoration. If you are holding the event in the hall, you can sit together on a sofa or mat. Party theme - It's not easy to set a party theme immediately, as it won't be possible to create outfits according to it. In such a situation, you can choose a basic theme, such as red or black. Most people have clothes in these two colors. Ask all guests to come dressed according to the theme. This will add a unique charm to the party. Decoration - Without decorations, there's no fun. Therefore, given the urgency of time, you can quickly decorate with ribbons and balloon inflating machines available in the market. You can also use party paper and spray. Snacks and Cake - A cake is a must-have for New Year's celebrations. A party is incomplete without cake, snacks, and soft drinks. When organizing a party in a short time, preparing a full-course meal can be challenging. In such a situation, you can prepare some snack items in the evening and order the cake from outside. Music and Games - Music and dance are essential to making the party fun. You can create a great playlist of Bollywood, Punjabi, and remix songs. This doesn't take much time. After that, dance freely to these songs with friends and family. This will enhance the party atmosphere. You can also have some games for children. Housie is one of the most fun games to play with family and friends. If you wish, you can also have a game called "Pass the Ball." Also keep this in mind: Before the party, you can create a small e-invite on your phone and enter all the information. If it's very cold, you can light a fire on the roof and sit around it and chat.

After theatrical release, the 2-hour, 19-minute film created a buzz on OTT, making it a top trending sleeper hit.

Many films made a splash at the box office in 2025. However, one movie surprised everyone with its commercial success. After theatrical release, this movie is now a top trending movie on

OTT. This sleeper hit is making waves on OTT. It is the most spectacular romantic drama of 2025. It's a similar response on OTT. Recently, one of 2025's online on OTT, becoming a must-watch. This box making it a top trending movie. So, let's find out which it's available on. After hitting theaters, this film of ?35 crore, it was recently released on OTT romantic drama genre, which was well-received by of a wealthy politician's son who falls in love with a her love, but is shocked when she rejects his advances. all means, including persuasion, bribery, punishment, win her love. However, by the time the girl realizes story features numerous twists and turns, adding to are talking about actor Harshvardhan Rane and Ki deewaniyat, which has recently been streamed online on the OTT platform Zee5. thoroughly entertained audiences in theaters and rare for a film that was a hit in theaters to receive most talked-about sleeper hits was streamed office success is now also making waves on OTT, film we're talking about and which OTT platform dominated OTT platforms. Made with a budget platforms. This 2-hour, 19-minute movie is a audiences. The film's plot depicts the love story film star. The young man does everything to win Burned by unrequited love, this lover resorts to and discrimination, and goes to great lengths to his love, it's too late, and the boy is dead. The film's the thrill of the film. Let us tell you that here we actress Sonam Bajwa's superhit film Ek Deewane

'Shah Rukh is a gentleman, Salman is a bad boy...' Arshad Warsi compared the superstars and shared an interesting anecdote about Big B.

Arshad Warsi recently revealed that he shot an entire film with Amitabh Bachchan, but it was never released. He also made interesting revelations about Shah Rukh Khan and Salman

Khan. Arshad Warsi shot an entire film Salman Khan a bad boy? Warsi called shared a lesser-known anecdote from closely with Amitabh Bachchan, the release. The actor spoke about the admiration for Bachchan's dedication Amitabh Bachchan, Warsi said, "I a strange fate." For me, the real stars Amitabh Bachchan. I shot the entire Directed by the late S. Ramanathan, stalled and finally shelved after the project. Arshad Warsi on Shah Rukh Khan in "Kuch Meetha Ho Jaaye" and Speaking warmly about SRK's "Shah Rukh knows his work inside theater. He's very humble, never raises Calls Salman Khan a "bad boy" - spoke candidly about the different Rukh. He said, "Salman has that Shah Rukh, on the other hand, is a gentleman – calm.' However, Warsi quickly clarified that Salman's real personality is very different from his on-camera persona. At home, he's nothing like his public image. He jokes around a lot and has fun. His entire family has a great sense of humor. They truly enjoy life. with Amitabh Bachchan. Why did Arshad call Shah Rukh Khan a gentleman. Arshad Warsi his career, revealing that despite working film they shot together never saw a theatrical unreleased project, "Jaamate," and his to his work. Regarding his experience with have worked with many stars, but I have had are Dilip Kumar, Shah Rukh Khan, and film with Amit ji, but it was never released. production on "Jaamanathan" was repeatedly filmmaker passed away midway through the Khan - Arshad Warsi worked with Shah Rukh is set to work with him again in "King." personality and professionalism, Arshad said, out. He has the discipline of old-fashioned his voice, and is very supportive as a co-actor." Comparing the two Khan superstars, Warsi public personas of Salman Khan and Shah special bad-boy aura. Handsome, rebellious.

South Indian film thrashes in the storm of Dhurandhar, Mohanlal's film stares at every penny

Malayalam cinema superstar Mohanlal's latest film, Vrishbha, is currently hitting the big screen. The film is struggling at the box office in terms of earnings. Vrishbha Box Office Collection Report: South Indian Movie Struggling to Earn - Mohanlal's Film in Dire Condition Vrishbha, starring veteran Malayalam actor Mohanlal, was released in theaters on the special occasion of Christmas. It was expected that Mohanlal's magic would once again shine at the box office in 2025. But this time, the situation has turned upside down, and his latest film, Vrishbha, is struggling at the domestic box office in terms of earnings. Or rather, let's say that Vrishbha has been thrashed by the storm of Bollywood actor Ranveer Singh's film Dhurandhar. Let's find out how many crores Mohanlal's film, Vrishbha, has earned so far. How is Vrishbha doing at the box office? - Vrishbha released on the big screen on December 25th. The fantasy action drama film was expected to be a record-breaking year-end hit, but the story took a major turn when Vrishbha failed to even achieve a double-digit opening. According to a report by SacNilk, Mohanlal's Vrishbha has only grossed ?1.15 crore within three days of its release. Thus, Vrishbha has become a major flop, struggling to make any money even during the weekend. Simply put, Vrishbha has been impacted by Ranveer Singh's Dhurandhar and Kartik Aaryan's new film, Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri. While Dhurandhar's impressive box office performance shows no signs of slowing, Tu Meri Main Tera Main Tera Tu Meri is also generating decent revenue. Between these two films, Mohanlal's Vrishbha has been in dire straits. Vrishbha's performance has been dismal worldwide, as well. Beyond the domestic box office, the film has grossed a mere ?16 million worldwide so far. This suggests that Vrishbha has neither received a positive response from audiences nor critical acclaim.